राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 28 जनवरी 2026
वर्ष 16,अंक 73, पृष्ट 04,मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्रैक्टर एजेंसी संचालक के इकलौते बेटे की मौत..03

एंटी करप्शन टीम ने 10 हजार रिश्वत लेते पंचायत सचिव को पकड़ा रंगे हाथों..04

मध्य प्रदेश: गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे कर्नल सोफिया क़ुरैशी पर टिप्पणी करने वाले मंत्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- कर्नल सोफिया क़ुरैशी पर कथित तौर से विवादित टिप्पणी करने वाले मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता विजय शाह एक बार फिर सुर्खियों में हैं. इसकी वजह मध्य प्रदेश सरकार की ओर से गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर जारी की गई सूची है, जिसमें विजय शाह का नाम मुख्य अतिथियों की सूची में शामिल है।

विजय शाह रतलाम जिले में गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे. मालूम हो कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह के ख़िलाफ़ केस शुरू करने की मंज़ूरी में देरी पर सवाल उठाया था. तब मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बताया था कि अदालत द्वारा मई में गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) अपनी रिपोर्ट दाखिल कर चुकी है और अब राज्य सरकार से अभियोजन की मंजूरी का इंतज़ार किया जा रहा है।

ताज़ा विवाद तब शुरू हुआ, जब ध्वजारोहण वाली लिस्ट में मंत्री विजय शाह के नाम को लेकर कांग्रेस ने आपत्ति जताई. सरकार के इस निर्णय का तीखा विरोध करते हुए कांग्रेस ने इसे सेना और राष्ट्रीय सम्मान से जुड़ा मामला बताया है. कांग्रेस का कहना है कि जिस मंत्री पर देश की बेटी और भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है, उसे गणतंत्र दिवस जैसे गरिमामय राष्ट्रीय पर्व पर मंच देना गलत संदेश देता है।

कांग्रेस प्रदेश विवेक त्रिपाठी ने कहा कि देश की बेटी और भारतीय सेना की बहादुर अधिकारी के खिलाफ अपमानजनक शब्द बोलने वाले मंत्री को रतलाम में तिरंगा फहराने की जिम्मेदारी देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. यह न सिर्फ सेना का अपमान है, बल्कि संविधान और राष्ट्रीय मूल्यों के भी खिलाफ है।

वहीं, भाजपा ने सरकार के फैसले का बचाव किया है. प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि सरकार ने मंत्री के बयान को गंभीरता से लिया और मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया।

कर्नल को लेकर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

दरअसल, यह पूरा मामला बीते साल 13 मई को मध्य प्रदेश के महू में आयोजित एक कार्यक्रम में विजय शाह द्वारा दिए गए बयान से जुड़ा है. उस कार्यक्रम में शाह ने कहा था कि जिन्होंने 'भारत की बेटियों को विधवा किया', उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'उनकी ही बिरादरी की बहन को भेजकर' सबक सिखाया है. उन्होंने यह टिप्पणी तुरंत दोहराई भी थी. हालांकि, शाह ने किसी का नाम नहीं लिया था, लेकिन विपक्षी दलों का आरोप है कि यह बयान कर्नल सोफिया कुरैशी की ओर इशारा करता है. कर्नल कुरैशी 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़ी मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ताओं में से एक रही हैं।

14 मई 2024 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था. हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि मंत्री की टिप्पणी 'किसी और की नहीं बल्कि' कर्नल कुरैशी की ओर ही संकेत करती है. इसके बाद शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया. उन पर भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने, समुदायों के बीच सौहार्द बिगाड़ने और ऐसे बयान देने का आरोप है, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव प्रभावित हो सकता है।

इस कार्रवाई के बाद विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया. इससे पहले 13 मई को उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा था कि उनकी टिप्पणी को 'किसी दूसरे संदर्भ में' नहीं देखा जाना चाहिए. शाह ने कहा था कि अगर उनकी टिप्पणी से 'समाज और धर्म' को ठेस पहुंची है तो वे 'दस बार' माफी मांगने को तैयार हैं. अगले दिन उन्होंने एक और बयान जारी कर कहा कि वे अपनी टिप्पणी को लेकर 'शर्मिंदा और दुखी' हैं और कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना की.

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 19 मई को उनकी माफी को स्वीकार करने से इनकार करते हुए मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम गठित कर दी थी. अदालत ने शाह की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए उन्हें जांच में सहयोग करने का निर्देश भी दिया था. अगस्त में एसआईटी ने राज्य सरकार को मंत्री के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने का प्रस्ताव भेजा था. लेकिन अब तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया।

दिल्ली एलजी द्वारा दायर बीस साल पुराने मानहानि केस में मेधा पाटकर बरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली:- दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार (24जनवरी) को सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा दायर 20 साल पुराने मानहानि मामले में बरी कर दिया. साकेत कोर्ट के साकेत कोर्ट के फर्स्ट क्लास ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने कहा कि सक्सेना यह साबित करने में विफल रहे कि पाटकर ने अप्रैल 2006 में एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान उनके ख़िलाफ़ मानहानिकारक बयान दिए थे. मालूम हो कि यह मामला 2006 का है. वीके सक्सेना उस समय नेशनल काउंसिल आफ सिविल लिबर्टीज (एनसीसीएल) के अध्यक्ष थे. उन्होंने 20 अप्रैल, 2006 को निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम के दौरान मानहानि का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने दावा किया कि मेधा पाटकर ने आन एयर उन पर सरदार सरोवर निगम से सिविल कान्ट्रैक्ट लेने का आरोप लगाया, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

अदालत ने माना कि पाटकर विवादित कार्यक्रम में पैनलिस्ट नहीं थीं और प्रसारण के दौरान केवल उनका पहले से रिकॉर्ड किया गया वीडियो क्लिप चलाया गया था।

न्यायाधीश ने कहा, 'यह ध्यान देने योग्य है कि न तो ऑडियो-वीडियो रिकॉर्ड करने वाले रिपोर्टर को और न ही आरोपी को आपत्तिजनक बयान देते हुए देखने वाले किसी व्यक्ति को गवाह के रूप में पेश किया गया है. ' उन्होंने आगे कहा कि प्रसारण के दौरान चलाया गया वीडियो पाटकर द्वारा आयोजित किसी साक्षात्कार या प्रेस कॉन्फ्रेंस का हिस्सा प्रतीत होता है. न्यायाधीश ने कहा कि अदालत को किसी भी बात को साबित करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस के पूरे वीडियो और ऑडियो प्रस्तुत करना अनिवार्य है. उन्होंने कहा कि सक्सेना कथित मानहानिकारक बयानों को रिकॉर्ड करने वाले मूल वीडियो फुटेज या रिकॉर्डिंग उपकरण को प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं. परिणामस्वरूप, न्यायाधीश ने आगे कहा कि आरोप साबित नहीं किए जा सकते. गौरतलब है कि इससे पहले बीते साल अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने सक्सेना द्वारा 2001 में दायर एक अलग मानहानि मामले में पाटकर की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था। सक्सेना ने आरोप लगाया था कि पाटकर ने नवंबर 2000 में जारी किए गए 'देशभक्त का सच्चा चेहरा' शीर्षक वाले एक प्रेस नोट में उनके खिलाफ मानहानि वाली बातें कहीं थीं।

मई 2024 में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने इस मामले में पाटकर को दोषी ठहराया था. उन्हें आपराधिक मानहानि का दोषी पाया गया और दो साल की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा सुनाई गई।

अदालत ने यह भी पाया था कि पाटकर ने सक्सेना पर 'गुजरात की जनता और उनके संसाधनों को विदेशी हितों के लिए गिरवी रखने' का आरोप लगाया था और इस आरोप को उनकी ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा पर 'सीधा हमला' माना था. इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी बरकरार रखा गया था।

किस बात को लेकर हमलावर से हुई थी बहस? मुंबई लोकल ट्रेन में प्रोफेसर की हत्या की पूरी कहानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र में शनिवार शाम मुंबई के मलाड रेलवे स्टेशन पर हुई प्रोफेसर की हत्या के मामले में रेलवे पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने बताया कि आलोक सिंह पेशे से प्रोफेसर थे. यह घटना शनिवार शाम मलाड रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर उस समय हुई, जब लोकल ट्रेन से उतरते वक्त भारी भीड़ के कारण आलोक सिंह की टक्कर एक अन्य यात्री से हो गई।

इस घटना के बाद का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिसमें साफ नजर आ रहा है कि आरोपी ओमकार एकनाथ शिंदे लोकल ट्रेन से उतरते हुए ट्रेन के अंदर खड़े आलोक सिंह पर धारदार हथियार से हमला करता है और तुरंत फरार हो जाता है. मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि आरोपी आगे बढ़ने के लिए लगातार धक्का दे रहा था, जिस पर आलोक सिंह ने आपत्ति जताई और कहा कि सामने एक महिला खड़ी है. इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया।

स्टेशन पर मच गई अफरा-तफरी

इसके बाद गुस्से में आकर आरोपी ओमकार एकनाथ शिंदे ने अपनी जेब में रखे एक धारदार चिमटे से आलोक सिंह के पेट पर हमला कर दिया. हमले के बाद आलोक सिंह खून से लथपथ होकर प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े. उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां अस्पताल ले जाते हुए उनकी मौत हो गई. घटना के बाद आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया, जिससे स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में दहशत फैल गई. रेलवे पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की और स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

जांच में सामने आया कि आरोपी ओमकार शिंदे खेतवाड़ी इलाके की एक मेटल फैक्ट्री में काम करता है और रोज मलाड से चरनी रोड तक इसी लोकल ट्रेन से यात्रा करता था. तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी को ट्रैक कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल उसे बोरीवली पुलिस स्टेशन ले जाया गया है, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है।

तैनात सुरक्षा कर्मियों को सस्पेंड करने की मांग

पुलिस के मुताबिक, वारदात में इस्तेमाल किया गया हथियार चाकू नहीं, बल्कि एक तेज धार वाला चिमटा था, जिसे आरोपी ने घटना के बाद फेंक दिया. पुलिस अब उस हथियार की तलाश कर रही है. इस घटना के बाद मृतक के परिवार ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं. परिवार का कहना है कि मलाड स्टेशन पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को निलंबित किया जाना चाहिए. उन्होंने सवाल उठाया है कि जब कोई यात्री खुलेआम धारदार हथियार लेकर यात्रा कर सकता है तो रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आखिर कितनी मजबूत है. मेटल डिटेक्टर कहां हैं और अगर भविष्य में कोई बड़ा हादसा हुआ, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? इस घटना के बाद रेलवे पुलिस ने पूरे स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ा दी है और लोगों से अपील कर रही है कि वो मामूली बात पर किसी अन्य मुसाफिर से झगड़ा लड़ाई न करें. वरना घटना गंभीर रूप ले लेती है. अब पुलिस यह जांच कर रही है कि यह हमला सिर्फ गुस्से में किया गया था या इसके पीछे कोई और वजह भी थी. मामले की जांच जारी है।

संक्षिप्त ख़बरें

दिल्ली विधानसभा के नोटिस का पंजाब पुलिस ने दिया जवाब, फर्जी है आतिशी का वीडियो, बताया क्यों दर्ज की FIR?

पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी मामले में पंजाब पुलिस ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष के नोटिस का जवाब दिया है. पंजाब पुलिस ने आतिशी से जुड़े वीडियो को फर्जी बताया है. साथ ही नोटिस में बताया कि वीडियो की फॉरेंसिक रिपोर्ट से साबित हुआ है कि आतिशी ने 'गुरु' शब्द का प्रयोग नहीं किया था. माहौल खराब करने के लिए एडिटेड वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया था. पंजाब पुलिस ने नोटिस का जवाब देते हुए बताया कि फॉरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में एक्शन लिया गया है. एडिटेड वीडियो पर कानून के प्रावधानों के अनुसार पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है. पंजाब पुलिस ने नोटिस में कहा है कि उनकी जवाबदेही कोर्ट और केस से संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष है. इस मामले में आगे जो भी कार्रवाई की जाएगी, उसे कोर्ट और केस से संबंधित मजिस्ट्रेट के सामने रखा जाएगा।

मंत्री कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी वीडियो

इस मामले की शुरुआत दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा एक वीडियो को एक्स पोस्ट करने से शुरू हुई थी. वीडियो में आप नेता आतिशी को लेकर दावा किया गया था कि उन्होंने सिख गुरु के लिए आपत्तिजनक बातें कही हैं. इसके बाद इस वीडियो पर बवाल मच गया. पंजाब पुलिस ने वीडियो की जांच की तो यह फर्जी पाया गया. इसके बाद पंजाब पुलिस ने मामले में एक्शन लेते हुए मंत्री कपिल मिश्रा और अन्य विधायकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

दिल्ली विस अध्यक्ष ने नोटिस जारी कर मांगा था जवाब

पंजाब पुलिस के एक्शन के बाद दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मामले को संज्ञान में लिया है. उन्होंने पंजाब पुलिस के डीजीपी समेत 3 आईपीएस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा. इसके बाद पंजाब पुलिस ने 22 जनवरी को नोटिस का जवाब दिया. पंजाब पुलिस ने नोटिस में बताया है कि आतिशी का वीडियो पूरी तरह फर्जी है. किसी ने माहौल खराब करने के लिए इस वीडियो को जानबूझकर वायरल किया है. इस पूरे मामले की जांच की जा रही है. मामले की रिपोर्ट कोर्ट और केस संबंधित मजिस्ट्रेट के सामने जल्द ही पेश की जाएगी।

450 पेज की रिपोर्ट...125 लोगों के बयान, नोएडा प्राधिकरण पहुंची SIT ने किन सवालों के तलाशे जवाब?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नोएडा सेक्टर 150 में इंजीनियर युवराज मेहता की दर्दनाक मौत के मामले में जांच कर रही एसआईटी की टीम आज फिर से नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय पहुंची. नोएडा प्राधिकरण, पुलिस और जिला प्रशासन इन तीनों ने अलग-अलग अपनी विस्तृत रिपोर्ट एसआईटी को सौंप दी है. यह रिपोर्ट करीब 450 पेज की बताई जा रही है. एसआईटी के प्रमुख एडीजी मेरठ भानु भास्कर के नेतृत्व में टीम ने आज फिर से एक बार नोएडा प्राधिकरण पहुंचकर इन रिपोर्ट की गहन समीक्षा शुरू कर दी है. इस मामले में अब तक 150 अधिकारियों, कर्मचारियों, नोएडा प्राधिकरण, पुलिस जिला प्रशासन, फायर विभाग, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सिविल विभाग और अन्य संबंधित जांच एजेंसी के बयान दर्ज हो चुके हैं।

रिपोर्ट तैयार करने के बाद आज शाम तक या कल तक एसआईटी की टीम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रिपोर्ट पेश करेगी. जिसमें यह तय हो पाएगा कि आखिर 2 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की जान बचाने में चूक कहा हुई और सुरक्षा संसाधनों में किस-किस की लापरवाही सामने आई।

डिलीवरी बॉय के बयान दर्ज

युवराज मेहता की मौत मामले में जांच कर रही एसआईटी टीम ने घटना के चश्मदीद मुनेंद्र को भी बयान दर्ज करने के लिए नोएडा बुलाया है. मुनेंद्र करीब 2 बजे के आसपास एसआईटी के सामने पेश हुआ है. जांच टीम को उम्मीद है कि उसकी गवाही से हादसे के समय की परिस्थितियों और घटनाक्रम के बारे में गहनता से जानकारी मिल पाएगी. इंजीनियर की मौत के बाद नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर 150 में सड़क सुरक्षा को लेकर तैयारी शुरू कर दी. अधिकारियों ने इस बात को भी कैद किया है कि आखिर आपसे पहले सड़क और वहां के सिस्टम को दुरुस्त करने में क्यों लापरवाही की गई. हालांकि, एसआईटी टीम के पहुंचने के बाद प्राधिकरण ने अगले दिन ही वहां सड़कों पर साइन बोर्ड मार्किंग करवा दी थी।

एसआईटी कर रही जांच

एक युवा इंजीनियर की मौत के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है की सुरक्षा इंतजामों में कमी, सूचना में देरी और बचाव कार्य की छूट के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है? इस मामले में अभी कई गिरफ्तारियां होनी बाकी है. एसआईटी ने पुलिस से भी पूछा है कि आखिर इन दोषियों की गिरफ्तारी में क्यों वक्त लग रहा है? फिलहाल एसआईटी की टीम नोएडा प्राधिकरण कार्यालय में मौजूद है और तमाम टीमों से घटना की जानकारियां अभी जुटा रही है. खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एडीजी भानु भास्कर से फोन पर जानकारी ली है।

शोक सभा का आयोजन

वहीं आज सेक्टर 150 में स्थित यूरेका सोसायटी में मृतक के परिवार वालों ने एक शोक सभा का आयोजन किया है. करीब 4 बजे के आसपास सोसाइटी में बने क्लब में मृतक की आत्मा को शांति देने के लिए एक शोक सभा का आयोजन किया है. जिसमें समिति के गेट के बाहर तमाम मीडिया कर्मियों का जमावड़ा लगा हुआ है. वहीं एतिहात के तौर पर पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है।

भारतीय परंपराओं में निहित हैं विश्व की समस्याओं का समाधान:गृह मंत्री अमित शाह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि विश्व की समस्याओं का समाधान भारतीय परंपराओं में निहित है। शाह ने यहां अखिल विश्व गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए कहा,''जो भारत और उसकी संस्कृति को समझता है, वह जानता है कि विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान भारतीय परंपराओं में निहित है।'' उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पावन भूमि विशेषकर सप्तर्षि भूमि हरिद्वार में आकर हजारों वर्षों की तपस्या की ऊर्जा का अनुभव होता है। शांतिकुंज के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के योगदान का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि भारत उनके उपकारों से कभी ऋणमुक्त नहीं हो सकता क्योंकि उन्होंने गायत्री मंत्र को जन-जन तक सर्वसुलभ बनाया, वैश्विक मानवतावाद की अवधारणा को सुदृढ़ किया और वैज्ञानिक अध्यात्मवाद को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। गृह मंत्री ने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा का सरल सूत्र 'हम बदलेंगे, युग बदलेगा' राष्ट्र परिवर्तन की कुंजी है और गायत्री महामंत्र केवल संस्कृत का मंत्र नहीं, बल्कि जप करने वाले साधक के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला जीवन मंत्र है। उन्होंने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा ने सनातन धर्म में व्याप्त विकृतियों को दूर कर आध्यात्मिकता को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा तथा समानता, संस्कृति, एकता और अखंडता के मूल्यों को सुदृढ़ किया। गृहमंत्री ने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा ने 'व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण' के विचार को व्यवहार में उतारने का मार्ग प्रशस्त किया। शाह ने आचार्य के संदेशों को मानव कल्याण का मूल मंत्र बताते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बीते दस वर्षों में देश की कार्य-संस्कृति और सोच में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आया है तथा आज भारत को उसकी गौरवशाली विरासत, संस्कृति और मूल्यों के संदर्भ में आदर भाव से देखा जा रहा है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और अरविंद घोष जैसे युगपुरुषों के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के उत्कर्ष से मानवता का उत्कर्ष सुनिश्चित होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गायत्री परिवार एक वटवृक्ष के समान है, जो आध्यात्मिक चेतना का प्रचार-प्रसार करते हुए समाज को शांति और सकारात्मकता की छाया प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत अपनी गौरवशाली संस्कृति, ज्ञान और विज्ञान को नए स्वरूप में पुनः स्थापित कर रहा है तथा सनातन संस्कृति का यह विराट संदेश विश्व तक पहुंचे, इसके लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार समाज में आध्यात्मिक जनजागरण का कार्य कर रहा है। अखिल विश्व गायत्री परिवार के डॉ. चिन्मय पांड्या ने कहा कि गायत्री परिवार का मूल दर्शन समाज में रहकर मानव कल्याण और सामाजिक उत्थान के कार्यों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि संस्थान, प्राचीन वेद, उपनिषद और गीता से प्रेरणा लेते हुए आधुनिक तकनीक को आत्मसात कर शिक्षा, प्रशिक्षण और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला, राज्यसभा सदस्य महेंद्र भट्ट, उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह, हरिद्वार के विधायक मदन कौशिक भी मौजूद रहे ।

आप का सुल्तानपुर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

- **मणिकर्णिका घाट पर मंदिर ध्वस्तीकरण के खिलाफ राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को सुल्तानपुर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। पार्टी ने काशी के मणिकर्णिका घाट पर प्राचीन मंदिरों के ध्वस्तीकरण के विरोध में राष्ट्रपति को संबोधित एक मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष सुरेश चंद्र एडवोकेट ने किया। आप का स्पष्ट मत है कि विकास के नाम पर इतिहास, परंपरा और धार्मिक विरासत को मिटाने की अनुमति किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को नहीं दी जा सकती। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि प्राचीन मंदिरों को तोड़ने जैसे कृत्यों पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो भविष्य में देश के अन्य पौराणिक और धार्मिक स्थलों पर भी इसी प्रकार के हमले हो सकते हैं, जिससे सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को गंभीर खतरा उत्पन्न होगा।

आम आदमी पार्टी ने महामहिम राष्ट्रपति से संविधान के तहत अपने विशेष अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को तत्काल ठोस निर्णय लेने के निर्देश देने की मांग की है। पार्टी की प्रमुख मांग है कि मणिकर्णिका घाट पर तोड़े गए सभी प्राचीन मंदिरों का तत्काल पुनर्निर्माण कराया जाए। इसके अतिरिक्त, मंदिरों के ध्वस्तीकरण का आदेश देने वाले अधिकारियों और जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। पार्टी ने यह भी मांग की है कि किसी भी धार्मिक स्थल के साथ व्यापक जनसह?मति और धार्मिक संस्थाओं की अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए।

आप ने भविष्य में काशी सहित प्रदेश और देश के किसी भी पौराणिक, ऐतिहासिक या धार्मिक स्थल को नुकसान न पहुंचे, इसके लिए स्पष्ट और कठोर दिशा-निर्देश जारी करने की अपील की है। पार्टी का मानना है कि धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना केवल सरकार की नहीं, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है। यदि इस गंभीर विषय पर निर्णायक हस्तक्षेप नहीं हुआ, तो देशभर में आक्रोश और अविश्वास का वातावरण बनेगा तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को गहरा आघात पहुंचेगा। आप ने आशा व्यक्त की है कि राष्ट्रपति इस विषय की गंभीरता और संवेदनशीलता को समझते हुए केंद्र एवं राज्य सरकारों को तत्काल, ठोस और प्रभावी कार्रवाई करने हेतु निर्देशित करेंगी। इस अवसर पर शोहरत अली, राम विशाल तिवारी, शहजादा शकील सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञान और वैराग्य का पर्व है वसन्त पंचमी

धर्म, इतिहास और संस्कृति-तीनों मनुष्य जीवन के चित्र में हरे, लाल, पीले रंगों की तरह गहरे घुले-मिले तत्त्व हैं, यद्यपि इनमें तीनों के रंग अलग-अलग हैं। फिर भी इनकी पहचान करने में हम भूल कर सकते हैं, परन्तु पहचान करना कठिन नहीं है। धर्म वह शाश्वत तत्त्व है, जो अनादिकाल से मनुष्य के जीवन में आनन्द, सुख और शान्ति का कल्पवृक्ष बनकर लहरा रहा है। धर्म मानव की आन्तरिक चेतना की उपज है, आन्तरिक चेतना से ही उसका सीधा सम्बन्ध है। दया, करुणा, प्रेम, सद्भाव एक-दूसरे के प्रति निःस्वार्थ समर्पण, भौतिक इच्छाओं पर विवेक का अंकुश, सद्-असद् का विवेक और उसके अनुरूप आचरण-यह सब धर्म का रूप है। धर्म हमारी चेतना को ऊर्ध्वमुखी बनाता है, धर्म से ही मन में विराटता और भावों में पवित्रता की प्राणधारा संचरित होती है। इतिहास एक बीता हुआ सत्य है, भोगा हुआ अतीत है। मनुष्य ने भला-बुरा, सद्-असद् जो कुछ भी किया है, प्रेम और युद्ध, निर्माण और विध्वंस, उद्दाम इच्छाओं का खुला खेल अथवा किसी की रक्षा के लिए अपना बलिदान यह सब इतिहास के पृष्ठों में अंकित है। इतिहास का रंग लाल और पीला है। जो मानव के द्वारा खेले गये खूनी खेल और किये गये निर्माणों का प्रतीक है। इतिहास मनुष्य की मूर्खता और समझदारी का जीता-जागता दस्तावेज होता है। वह दर्पण है, जिसमें मानव जाति का अतीत प्रतिबिम्बित है। संस्कृति हरे, पीले, लाल, सफेद फूलों का एक गुलदस्ता है। यह मनुष्य की उस जीवन धारा को सूचित करती है, जिसमें वह बह रहा है, बहता रहा है। उसकी मानसिक रुचियाँ, सुख-दुःख की संवेदनाएँ, खेलकूद, आमोद-प्रमोद की अभिव्यक्तियाँ, अतीत के प्रति जुड़ा अनुराग और भविष्य के प्रति जगे सपने, आशाएँ, अपेक्षाएँ जहाँ, जिस रूप में अभिव्यक्त होती हैं, वह है संस्कृति।

संस्कृति एक प्रवाह है, जो निरन्तर गतिशील भी है, परिवर्तनशील भी है। देश, काल, समाज की परिस्थितियों के अनुसार संस्कृति बदलती रहती है। वातावरण, सम्पर्क और वैचारिक आदान-प्रदान से भी संस्कृति में संस्कार या विकार आते रहते हैं। संस्कृति की तस्वीर में इतिहास और धर्म दोनों ही अपना-अपना रंग लिए रहते हैं। इसलिए संस्कृति कभी सभ्यता, कभी रीति-रिवाजों और कभी पर्व-त्यौहारों के रूप में भी प्रकट होती रहती है।संस्कृति जीवन का अंग है। भारतीय संस्कृति की एक विशेषता है कि उसमें समाज और धर्म का प्रतिबिम्ब एक साथ समाया रहता है। संस्कृति हमेशा ही मानव सभ्यता को विकास और विराटता की ओर ले जाती है। इसलिए हम संस्कृति को जीवन से अलग नहीं कर सकते। मानव-जीवन का एक पहलू धर्म से जुड़ा है तो दूसरा पहलू संस्कृति से जुड़ा हुआ है। पर्व, त्यौहार, उत्सव आदि सभी हमारी सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। संस्कृति के पवित्र सन्देशों को घर-घर और जन-जन तक पहुँचाने वाले दूत हैं-पर्व। आज वसन्त पंचमी का पर्व है, चारों ओर नये पीले केसरिया कपड़े नजर आ रहे हैं। लाउडस्पीकरों पर धुन गूँज रही है-मेरा रंग दे वसन्ती चोला। खेत-खलिहान सरसों के पीले-पीले फूलों की शोभा लिए दूर-दूर तक चमक रहे हैं। ऐसा लग रहा है, मानो प्रकृति ने फूलों के बहाने खेतों में सोना फैला दिया है और खेतों की स्वर्णिम आभा देखकर किसान का कोमल मन नाच रहा है। किसान के पसीने की बूँदें ही मानो स्वर्ण-फूल बनकर धरती के अंचल में दमक रही हैं। वसन्त ऋतु की यह सुहावनी छटा कुछ अलौकिक है। बड़ी जीवनदायिनी, आनन्द की वर्षा करने वाली और मन को प्रफुल्लता देने वाली है।

वसन्त निर्माण का प्रतीक है

पतझड़ के बाद वसन्त ऋतु का आगमन नव-निर्माण का प्रतीक है। विनाश के बाद नये विकास की सूचना लेकर वसन्त ऋतु आती है। जर्जर, मृतप्रायः प्राकृतिक वनस्पतियों में नव-जीवन अँगड़ाई लेने लगता है। सूखे वृक्षों पर नई-नई कोपलें लगती हैं। मुर्झये पौधों पर जैसे जीवन खेलने लगता है। सर्वत्र उल्लास उमड़ रहा है। इस अलौकिक शोभा के कारण ही वसन्त ऋतु को सब ऋतुओं से श्रेष्ठ और ऋतुराज कहा जाता है। *गीता में विद्या या सरस्वती का अवतरण दिवस यों तो बसन्त पंचमी एक ऋतु-परिवर्तन का पर्व है। प्राकृतिक जीवन में नव उत्साह और नई उमंग के संचार का त्यौहार है। किन्तु भारत के प्राचीन ऋषि-मनीषियों ने इस पर्व को विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़ दिया है।और वैदिक पुराणों की कथा के अनुसार आज के दिन विद्या देवता सरस्वती का धरा पर अवतरण हुआ था। अर्थात् आदिमानव ने आज के दिन अक्षर ज्ञान का अभ्यास करना प्रारम्भ कर दिया था। मनुष्य ने वर्णमाला और लिपिविद्या का ज्ञान सीखना आज के दिन प्रारम्भ किया था। इसलिए वसन्त पंचमी को विद्या देवता के अवतरण का दिन माना गया है।

बसन्त पंचमी, काम-पूजा नहीं, काम-विजय का पर्व है

इतिहासकारों का कहना है-प्राचीनकाल में भारत के गुरुकुलों में हजारों विद्यार्थी गुरुओं के चरणों में बैठकर विद्याध्ययन किया करते थे और अपने जीवन को सत्यं, शिवं, सुन्दरम् से जोड़ते थे। सबसे पहले सत्य का ज्ञान प्राप्त करते थे। फिर शिवं-कल्याण का मार्ग पहचानते थे। उसके बाद सौन्दर्य-कला-कौशल सीखते थे। परन्तु जब से भारत में वाम मार्ग का प्रभाव बढ़ा तो सत्यं, शिवं के स्थान पर केवल सुन्दर को महत्त्व दिया जाने लगा और लोग सरस्वती-पूजा छोड़कर कामदेव की पूजा करने लगे। वसन्त पंचमी के पवित्र पर्व पर सरस्वती-पूजा के स्थान पर मदन-महोत्सव मनाया जाने लगा। इसी कारण भारत में ज्ञान-विज्ञान का ह्रास हुआ और आचार-विचार में गिरावट आई। चरित्र का पतन हुआ। भारत के गुरुकुलों में जहाँ अन्य देशों से सैकड़ों, हजारों छात्र पढ़ने के लिए आते थे, ज्ञान प्राप्त करने आते थे। आज वहाँ भारत के छात्र ज्ञान प्राप्त करने विदेशों में जा रहे हैं। ज्ञान का, विद्या का यह ह्रास-पतन क्यों हुआ ? इसका कारण है कि सरस्वती के स्थान पर काम को महत्त्व दिया जाने लगा। सत्य के स्थान पर केवल 'सुन्दर' की पूजा होने लगी। यह सही है कि वसन्त ऋतु प्रफुल्लता की ऋतु है। प्रकृति की सुषमा अपने पूर्ण विकास में निखरती है। रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। न अधिक सर्दी, न अधिक गर्मी यह सब बातें मनुष्य के मन में भावनात्मक

परिवर्तन

मदन-पूजा या मदन-दहन

वसन्त पंचमी के कुछ दिन बाद महाशिवरात्रि का पर्व आता है। भारतीय संस्कृति पर शोध करने वालों का अनुमान है कि वसन्त पंचमी और महाशिवरात्रि का परस्पर सम्बन्ध है। वे इस पर्व को मदन-पूजा की जगह कुमारसंभव में वर्णित मदन-दहन अर्थात् काम-विजय का पर्व मानते हैं। इसकी पौराणिक कथा इस प्रकार है कि पार्वती ने शिव को पतिरूप में पाने का संकल्प किया। पार्वती को अपने अद्भुत सौन्दर्य का गर्व था। वह सोचती थी अपने रूप-सौन्दर्य, हाव-भाव द्वारा वह शिव की तपश्चर्या भंग करके उन्हें मोह-मुग्ध कर लेगी। हिमालय के देवदारू वन में जहाँ शिव अखण्ड तप में लीन थे, पार्वती वहाँ पहुँची, सहायता के लिए कामदेव को उन्हें प्रसन्न किया जा सकता है। यह जैन संस्कृति का ही नहीं, अपितु वैदिक संस्कृति का भी स्वर है जो हमें तप का महत्त्व बताता है। वसन्त पंचमी के साथ काम-पूजा का सम्बन्ध वास्तव में वाममार्ग की कुत्सित धारणा का चिह्न है, वास्तव में तो यह पर्व शिवशंकर की काम-विजय का पर्व है। पहले ज्ञान-पूजा करो, ज्ञान प्राप्त करो, फिर ज्ञान के द्वारा वैराग्य अर्थात् वीतराग भाव की प्राप्ति करो। इस प्रकार वसन्त पंचमी भारतीय संस्कृति का अध्यात्मोन्मुखी पर्व है और भगवान महावीर के इस सन्देश को चरितार्थ करती है। अज्ञान और मोह का नाश होने पर सम्पूर्ण ज्ञान का आलोक प्राप्त होता है और ज्ञान द्वारा मनुष्य मोह पर विजय प्राप्त कर वीतराग बनता है। वसन्त पंचमी का यही सन्देश आज आपके लिए है।

कांतिलाल मांडोत

अमेरिकी नीतियां, चीन, लैटिन अमेरिका तथा नाटो देश को एक होने का मौका दे रहीं

समकालीन वैश्विक राजनीति के परिदृश्य में यह प्रश्न बार-बार उभरकर सामने आता है कि क्या लैटिन अमेरिका, चीन और नाटो एक साझा मंच पर आकर अमेरिका और विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रंप जैसी आक्रामक राष्ट्रवादी सोच का विरोध कर सकते हैं। यह प्रश्न जितना सरल दिखता है उतना ही जटिल है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं से नहीं बल्कि हितों, संतुलन और शक्ति-संरचनाओं से संचालित होती है। ट्रंप का राजनीतिक व्यक्तित्व और उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति विश्व व्यवस्था में एक प्रकार का व्यवधान रही है जिसने मित्रों को असहज और विरोधियों को मुखर किया, चीन के संदर्भ में देखें तो वह लंबे समय से अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देता आया है और ट्रंप के कार्यकाल में व्यापार युद्ध, तकनीकी प्रतिबंध, ताइवान और दक्षिण चीन सागर जैसे मुद्दों ने इस टकराव को और गहरा किया, चीन का विरोध वैचारिक कम और रणनीतिक अधिक है क्योंकि वह किसी एक व्यक्ति या सरकार से नहीं बल्कि अमेरिकी प्रभुत्व की संरचना से टकरा रहा है, दूसरी ओर नाटो की स्थिति बिल्कुल भिन्न है क्योंकि नाटो स्वयं अमेरिका के सैन्य, आर्थिक और रणनीतिक नेतृत्व पर टिका हुआ संगठन है, ट्रंप ने नाटो देशों को कई बार कठघरे में खड़ा किया, रक्षा खर्च बढ़ाने की मांग की और यहां तक कहा कि अमेरिका मुफ्त में यूरोप की सुरक्षा नहीं करेगा, इससे यूरोपीय देशों में असंतोष अवश्य बढ़ा लेकिन यह असंतोष विद्रोह में नहीं बदल सका क्योंकि नाटो की आत्मा ही अमेरिका की सैन्य शक्ति है और रूस जैसे कारकों के रहते नाटो अमेरिका से अलग खड़ा होने का जोखिम नहीं उठा सकता, अब यदि लैटिन अमेरिका की ओर देखें तो वहां अमेरिका के प्रति दृष्टिकोण ऐतिहासिक रूप से संशयपूर्ण रहा है, शीत युद्ध के दौर से लेकर आज तक अमेरिकी हस्तक्षेप, तख्तापलट और आर्थिक दबावों की स्मृति अभी भी जीवित है, क्यूबा, वेनेजुएला और निकारागुआ जैसे देश खुलकर अमेरिका विरोधी रुख अपनाते हैं जबकि ब्राज़ील, मैक्सिको और अर्जेंटीना जैसे देश यथार्थवादी संतुलन की नीति पर चलते हैं, चीन ने इस क्षेत्र में निवेश, ऋण और अवसंरचना के माध्यम से अपनी पैठ बढ़ाई है जिससे अमेरिका की चिंता स्वाभाविक है लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि पूरा लैटिन अमेरिका एक स्वर में अमेरिका या ट्रंप के खिलाफ खड़ा हो जाएगा, इसी व्यापक परिदृश्य में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि भारत न तो चीन की तरह खुला टकराव चाहता है और न ही नाटो की तरह किसी एक शक्ति पर निर्भर रहना, भारत की विदेश नीति रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित है जहां वह अमेरिका के साथ भी साझेदारी करता है, रूस के साथ भी ऐतिहासिक संबंध निभाता है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित रिश्ते बनाए रखता है, ट्रंप के कार्यकाल में भारत-अमेरिका संबंधों में रक्षा, तकनीक और रणनीतिक सहयोग बढ़ा लेकिन व्यापार और वीज़ा जैसे मुद्दों पर मतभेद भी सामने आए, भारत ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी वैश्विक गुटबंदी का हिस्सा बनकर किसी तीसरे देश के खिलाफ खड़ा नहीं होगा, रूस की स्थिति इससे अलग लेकिन उतनी ही निर्णायक है, रूस स्वयं अमेरिका और नाटो के विस्तार को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है और यूक्रेन युद्ध के बाद उसका पश्चिम से टकराव खुलकर सामने आ चुका है, ट्रंप के प्रति रूस का रुख विरोधाभासी रहा है, एक ओर ट्रंप की नाटो विरोधी बयानबाजी रूस को अनुकूल लगती रही, दूसरी ओर अमेरिकी संस्थागत नीति रूस के प्रति कठोर बनी रही, रूस चीन के साथ सामरिक समीकरण तो बनाता है लेकिन वह भी चीन का जूनियर पार्टनर बनना नहीं चाहता, इसलिए वह बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की बात करता है जहां अमेरिका का एकाधिकार टूटे लेकिन कोई नया वर्चस्व न बने, पश्चिम एशिया के देशों की प्रतिक्रिया और भी व्यावहारिक है क्योंकि यह क्षेत्र ऊर्जा, सुरक्षा और भू-राजनीति का केंद्र है, सऊदी अरब, यूएई और खाड़ी देश अमेरिका के लंबे समय से रणनीतिक साझेदार रहे हैं लेकिन ट्रंप की अनिश्चित नीतियों, ईरान समझौते से बाहर निकलने और क्षेत्रीय अस्थिरता ने इन्हें वैकल्पिक संबंध तलाशने को प्रेरित किया, इसी कारण इन देशों ने चीन और रूस के साथ भी अपने रिश्ते मजबूत किए जबकि ईरान खुलकर अमेरिका विरोधी धुरी का हिस्सा बना रहा, इज़राइल की स्थिति अलग है जो अमेरिका का सबसे करीबी सहयोगी है और ट्रंप के कार्यकाल में उसे खुला समर्थन मिला, पश्चिम एशिया के अधिकांश देश किसी वैचारिक मोर्चेबंदी के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हैं, वे न तो अमेरिका से पूर्ण दूरी बनाना चाहते हैं और न ही चीन या रूस के खेमे में पूरी तरह जाना चाहते हैं, इन सभी प्रतिक्रियाओं को जोड़कर देखें तो स्पष्ट होता है कि वैश्विक राजनीति किसी एक बड़े गठबंधन के निर्माण की ओर नहीं बल्कि जटिल संतुलनों की ओर बढ़ रही है, चीन, नाटो, लैटिन अमेरिका, भारत, रूस और पश्चिम एशिया सभी अपने-अपने संदर्भ में अमेरिका और ट्रंप की नीतियों से असहज रहे हैं लेकिन उनकी असहजता की दिशा और गहराई अलग-अलग है, ट्रंप जैसे नेता इस असहजता को और उजागर करते हैं क्योंकि वे कूटनीति की पारंपरिक भाषा से हटकर सीधी और कई बार टकरावपूर्ण शैली अपनाते हैं, इससे विरोध के स्वर तेज होते हैं लेकिन साझा मंच नहीं बनता, आज की दुनिया न तो शीत युद्ध जैसी स्पष्ट ध्रुवीयता में है और न ही किसी एक शक्ति के इर्द-गिर्द घूम रही है, यह एक संक्रमणकाल है जहां हर देश अपने लिए अधिकतम लाभ और न्यूनतम जोखिम की नीति अपना रहा है, इसलिए यह कहना अधिक यथार्थपरक होगा कि अमेरिका और ट्रंप का विरोध होगा लेकिन वह अलग-अलग रास्तों से होगा, अलग-अलग कारणों से होगा और अलग-अलग सीमाओं के भीतर होगा, संयुक्त मोर्चे की कल्पना राजनीतिक भाषणों में आकर्षक लग सकती है लेकिन व्यवहार में दुनिया बहुध्रुवीय संतुलन की कठिन लेकिन अपरिहार्य राह पर आगे बढ़ रही है ।

संजीव ठाकुर

क्या सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद ही विद्या के मंदिरों में शिक्षकों की कमी दूर होगी?

हाल ही में देश की सर्वोच्च अदालत की दो सदस्यीय पीठ माननीय न्यायमूर्ति श्री जे.बी. पार्दीवाला एवं श्री महादेवन ने देशभर के शासकीय एवं निजी कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को लेकर कड़ी टिप्पणी करते हुए राज्य सरकारों को चार माह के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं । शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश निस्संदेह छात्र हित में उठाया गया एक स्वागत योग्य कदम है, जिसकी देशभर के विद्यार्थी सराहना कर रहे हैं । यह सर्वविदित है कि शिक्षा और स्वास्थ्य, देश के नागरिकों के मूलभूत अधिकारों में शामिल हैं । साथ ही यह भी सत्य है कि सामाजिक क्षेत्र की सेवाएँ होने के कारण केंद्र और राज्य सरकारों को इन दोनों क्षेत्रों पर अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा प्रतिवर्ष खर्च करना पड़ता है, जबकि प्रत्यक्ष आर्थिक आय बहुत कम या नगण्य होती है । इसके बावजूद यदि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार कमी दिखाई दे रही है, तो यह सरकारों और समाज दोनों के लिए गंभीर चिंतन का विषय होना चाहिए। शिक्षकों की कमी को लेकर सुप्रीम कोर्ट की फटकार ने एक बार फिर देश की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया है। आज समस्या केवल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी स्कूलों की हालत और भी चिंताजनक है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में निर्धारित छात्र-शिक्षक अनुपात आज भी अधिकांश स्कूलों में पूरा नहीं हो पा रहा है । देशभर में अनेक स्कूल शिक्षक विहीन या एकल शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं, वहीं कई विद्यालय अतिथि शिक्षकों (गेस्ट फैकल्टी) के सहारे चल रहे हैं । उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थिति भी इससे अलग नहीं है । यदि गेस्ट फैकल्टी की व्यवस्था न होती, तो हालात और भी दयनीय होते । यही स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं में भी देखने को मिलती है, जहाँ चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के अनेक पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं । अब प्रश्न यही है क्या सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद ही शिक्षकों की कमी दूर होगी, या फिर सरकारें आर्थिक तंगी का हवाला देकर समय मांगती रहेंगी ? राज्य सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भर्तियाँ तो करती हैं, किंतु ये भर्तियाँ आवश्यकता के अनुपात में अपर्याप्त रहती हैं । इसके पीछे प्रमुख कारण आर्थिक सीमाएँ हैं । वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों के बजट का बड़ा हिस्सा मुफ्त योजनाओं पर खर्च हो रहा है, जिनका लाभ कई बार आर्थिक रूप से सक्षम लोग भी उठा रहे हैं । यदि मुफ्त योजनाओं का लाभ वास्तव में केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक सीमित किया जाए और महंगाई के अनुरूप सीधी आर्थिक सहायता दी जाए, तो जरूरतमंदों की वास्तविक सहायता संभव हो सकती है । इसके साथ ही वृद्धावस्था पेंशन योजनाओं की राशि में भी महंगाई के अनुरूप वृद्धि आवश्यक है और इसका लाभ 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी महिला-पुरुषों को मिलना चाहिए । आधुनिक समय में एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण कई बुजुर्ग अपने ही बच्चों द्वारा उपेक्षित होकर असहाय स्थिति में जीवन जीने को मजबूर हैं । ऐसे में सरकार की योजनाएं ही उनके लिए अंतिम सहारा बनती हैं। यदि सभी राजनीतिक दल और सरकारें आर्थिक मापदंड तय कर मुफ्त योजनाओं का सही लक्षित वितरण करें, तो राज्य सरकारों के पास इतना संसाधन अवश्य बचेगा कि वे रिक्त पदों की पूर्ति कर सकें और युवाओं को रोजगार दे सकें । पदों की पूर्ति करना राज्य सरकारों का दायित्व है । जब सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं में ही वित्तीय संकट का हवाला देकर असमर्थता जताती हैं, तब सर्वोच्च अदालत का हस्तक्षेप आवश्यक हो जाता है । एक प्रसिद्ध कहावत है यदि किसी राज्य का विकास कुछ वर्षों के लिए करना हो, तो अच्छी सड़कें बनाइए यदि

पचास-सौ वर्षों के लिए राज्य का विकास करना हो, तो वहा अच्छे बाँध और जल स्रोत बनाइए और यदि हजारों वर्षों तक राज्य का विकास चाहते हो, तो अपनी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाइए । भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था इतनी समृद्ध और वैभवशाली थी कि तक्षशिला, नालंदा, काशी और उज्जैन जैसे ज्ञान के केंद्रों ने विश्व को दिशा दी । शून्य, दशमलव, शल्य चिकित्सा और जीवन-दर्शन जैसे ज्ञान का उल्लेख हमारे वेदों और ग्रंथों में हजारों वर्ष पहले ही मिल जाता है । आज आवश्यकता है कि केंद्र और राज्य सरकारें अपनी गैर-जरूरी योजनाओं की समीक्षा कर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश बढ़ाएं, पर्याप्त शिक्षकों और संसाधनों की व्यवस्था करें और विद्या के मंदिरों को पुनः ज्ञान का केंद्र बनाएं। तभी भारत एक बार फिर विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर हो सकेगा।

अरविंद रावल

संपादकीय

डेनमार्क के पीछे क्यों पड़े हैं ट्रम्प?

डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक रुख केवल एक भूभाग को हासिल करने की सनक भर नहीं है, बल्कि यह 21वीं सदी की बदलती वैश्विक राजनीति, संसाधनों की होड़ और महाशक्तियों के बीच उभरते नए शीतयुद्ध का संकेत है। ग्रीनलैंड, जो भौगोलिक रूप से भले ही बर्फ से ढका, विरल आबादी वाला द्वीप हो, आज अमेरिका, चीन और रूस के रणनीतिक नक्शे में एक अहम मोहरा बन चुका है। ट्रंप इसे अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए 'अनिवार्य' बताकर न केवल डेनमार्क की संप्रभुता को चुनौती दे रहे हैं, बल्कि यूरोपीय संघ को भी खुली चेतावनी दे रहे हैं कि अगर उसने अमेरिकी हितों के आड़े आने की कोशिश की, तो उसे भारी आर्थिक कीमत चुकानी होगी। ग्रीनलैंड का महत्व उसके आकार या जनसंख्या में नहीं, बल्कि उसकी भौगोलिक स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों में निहित है। आर्कटिक क्षेत्र में स्थित यह द्वीप उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच एक रणनीतिक सेतु की तरह है। शीत युद्ध के दौरान भी अमेरिका ने यहां सैन्य ठिकाने बनाए थे और आज भी वहां अमेरिकी रडार प्रणाली मौजूद है। जलवायु परिवर्तन के कारण जब आर्कटिक की बर्फ तेजी से पिघल रही है, तब नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार और सैन्य आवागमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बनते जा रहे हैं। रूस पहले ही इन मार्गों पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि चीन स्वयं को 'नियर-आर्कटिक स्टेट' घोषित कर इस क्षेत्र में निवेश और वैज्ञानिक गतिविधियों का विस्तार कर रहा है। ऐसे में अमेरिका को यह आशंका स्वाभाविक लगती है कि अगर उसने ग्रीनलैंड पर प्रभाव नहीं बढ़ाया, तो वह आर्कटिक की दौड़ में पिछड़ सकता है।

ट्रंप का तर्क है कि डेनमार्क ग्रीनलैंड की पर्याप्त सुरक्षा नहीं कर पा रहा और अमेरिका ही इसे प्रभावी ढंग से संरक्षित कर सकता है। लेकिन यह तर्क जितना सुरक्षा से जुड़ा दिखता है, उतना ही सत्ता और प्रभुत्व की भाषा से भरा हुआ है। किसी संप्रभु देश या स्वायत्त क्षेत्र को 'खरीदने' की बात करना औपनिवेशिक मानसिकता की याद दिलाता है, जिसे आधुनिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बहुत पहले खारिज कर चुकी है। ग्रीनलैंड के लोग स्वयं को कोई संपत्ति नहीं मानते, जिसे किसी सौदे के तहत एक हाथ से दूसरे हाथ में सौंप दिया जाए। डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारों ने ट्रंप के प्रस्ताव को सिरे से नकार कर यह स्पष्ट कर दिया है कि संप्रभुता कोई बिक्री योग्य वस्तु नहीं है।

असल चिंता केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है। ग्रीनलैंड दुर्लभ मिट्टी खनिजों का एक संभावित भंडार है, जिनका उपयोग आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा प्रणालियों और इलेक्ट्रॉनिक्स में होता है। आज इन खनिजों पर चीन का प्रभुत्व है और अमेरिका इस निर्भरता को कम करना चाहता है। इसके अलावा, तेल और गैस के संभावित भंडार भी ग्रीनलैंड को ऊर्जा राजनीति के केंद्र में ला खड़ा करते हैं। ट्रंप जिस 'गोल्डन डोम' मिसाइल शील्ड की बात करते हैं, उसके लिए ग्रीनलैंड में मौजूद रडार और भौगोलिक स्थिति बेहद उपयोगी मानी जाती है। इस तरह ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए केवल एक द्वीप नहीं, बल्कि सैन्य, आर्थिक और तकनीकी रणनीति का अहम हिस्सा बन जाता है।

यूरोपीय संघ ने इस पूरे घटनाक्रम में डेनमार्क के पक्ष में खड़े होकर अंतरराष्ट्रीय कानून और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन किया है। यूरोपीय संसद और सदस्य देशों का यह रुख इस बात का संकेत है कि यूरोप अब अमेरिकी दबाव के आगे बिना सवाल किए झुकने को तैयार नहीं है। लेकिन ट्रंप की राजनीति संवाद और कूटनीति से अधिक दबाव और धमकी पर आधारित रही है। उन्होंने टैरिफ को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करते हुए पहले 10 प्रतिशत और फिर 25 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की धमकी दी है, यदि ग्रीनलैंड पर उनकी शर्तों के अनुसार कोई समझौता नहीं होता।

इस पूरे विवाद में फ्रांस को विशेष रूप से निशाना बनाना ट्रंप की राजनीतिक शैली को उजागर करता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा डेनमार्क के सैन्य समर्थन की बात कहने पर ट्रंप ने न केवल उनका मजाक उड़ाया, बल्कि फ्रांसीसी वाइन और निर्यात पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दे डाली। यह केवल आर्थिक दबाव नहीं, बल्कि एक तरह का सार्वजनिक अपमान भी है, जिसका उद्देश्य यूरोप के भीतर फूट डालना और यह संदेश देना है कि अमेरिका के खिलाफ खड़े होने की कीमत चुकानी पड़ेगी। डेनमार्क, फ्रांस, स्वीडन समेत आठ यूरोपीय देशों पर इस तरह का दबाव डालना यह दर्शाता है कि ट्रंप की नजर में सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी के बीच की रेखा बेहद धुंधली हो चुकी है।

यह विवाद वैश्विक राजनीति के एक बड़े

बदलाव की ओर इशारा करता है। शीत युद्ध के बाद जिस उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की बात की जाती रही, उसमें नियमों, संस्थाओं और बहुपक्षीय सहमति को महत्व दिया गया। लेकिन ट्रंप की नीति शक्ति, सौदेबाजी और दबाव पर आधारित है। उनके लिए अंतरराष्ट्रीय कानून तब तक मायने रखता है, जब तक वह अमेरिकी हितों के अनुकूल हो। ग्रीनलैंड प्रकरण इसी सोच का उदाहरण है, जहां एक रणनीतिक हित को पूरा करने के लिए संप्रभुता, आत्मनिर्णय और साझेदारी जैसे सिद्धांतों को हाशिए पर डाल दिया गया है।

इसका दीर्घकालिक प्रभाव केवल अमेरिका और यूरोप के रिश्तों तक सीमित नहीं रहेगा। आर्कटिक क्षेत्र धीरे-धीरे एक नए भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र बनता जा रहा है। यदि महाशक्तियां यहां सहयोग के बजाय प्रतिस्पर्धा और सैन्यीकरण का रास्ता अपनाती हैं, तो यह क्षेत्र संघर्ष का नया मैदान बन सकता है। ग्रीनलैंड के मूल निवासियों और वहां के पर्यावरण पर इसका क्या असर होगा, इस पर शायद ही कोई गंभीर चर्चा हो रही है। जलवायु परिवर्तन से जूझते इस क्षेत्र को सैन्य और औद्योगिक हितों के हवाले करना भविष्य के लिए खतरनाक संकेत है।

अंततः ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का रुख यह सवाल खड़ा करता है कि क्या आज की दुनिया फिर से उस दौर की ओर लौट रही है, जहां ताकत ही कानून हुआ करती थी। यूरोप का विरोध और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया यह तय करेगी कि इस तरह की राजनीति को कितना स्वीकार किया जाएगा। अगर ग्रीनलैंड को एक सौदे की तरह देखने की प्रवृत्ति को चुनौती नहीं दी गई, तो कल कोई और क्षेत्र, कोई और देश इसी तरह की महाशक्ति राजनीति का शिकार बन सकता है। यह केवल ग्रीनलैंड का मामला नहीं, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था की परीक्षा है, जिसे नियमों और सहमति के आधार पर टिके रहने का दावा किया जाता है।

महेन्द्र तिवारी

ज़मीन के नीचे छिपा खतरा, पहाड़ों पर चुनौती

आतंक के नए मॉडल ने कश्मीर की शांति और पर्यटन पर फिर उठाए सवाल

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के दुर्गम सोनार गांव में सामने आया ऑपरेशन त्राशी-1 सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आतंकवाद के बदले हुए चेहरे की गवाही है। 12 हजार फीट की ऊंचाई पर, घने जंगलों और कठिन पहाड़ी रास्तों के बीच जमीन के नीचे बना आतंकी ठिकाना इस बात का संकेत है कि आतंकी संगठन आज भी सक्रिय हैं और नई रणनीतियों के साथ सुरक्षा तंत्र को चुनौती दे रहे हैं। तीन दिन तक चले इस ऑपरेशन में जब सुरक्षाबलों को मुठभेड़ स्थल से मात्र दो किलोमीटर दूर एक ऐसा ठिकाना मिला, जिसमें तीन महीने का राशन, गैस सिलेंडर, देसी घी, मसाले, कंबल और रोजमर्रा की जरूरतों का हर सामान मौजूद था, तो यह साफ हो गया कि यह कोई तात्कालिक या अस्थायी व्यवस्था नहीं थी, बल्कि लंबी तैयारी का नतीजा थी। यह ठिकाना पहाड़ काटकर बनाया गया था और इसमें आने-जाने के कई रास्ते थे, जिससे यह अंदेशा मजबूत होता है कि आतंकी यहां लंबे समय तक टिकने की योजना बना चुके थे। सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी दुर्गम जगह पर इतना भारी सामान आखिर कैसे पहुंचाया गया। पूर्व डीजीपी एसपी वैद्य का यह कहना कि यह राशन सीमा पार से लाना संभव नहीं है, इस संदेह को और पुख्ता करता है कि आतंकियों को स्थानीय स्तर पर मदद मिली होगी। यही वजह है कि करीब 30 लोगों से पूछताछ की जा रही है और स्थानीय ओवरग्राउंड वर्कर्स के नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद सिर्फ सीमा पार से घुसपैठ का मामला नहीं रहा, बल्कि यह स्थानीय सहयोग, डर और दबाव के जरिए जड़ों तक फैलने की कोशिश कर रहा है। किश्तवाड़ की यह मुठभेड़ उस समय हुई है, जब घाटी में हालात सामान्य होने की धारणा मजबूत हो रही थी।

पर्यटन में तेजी, अमरनाथ यात्रा की तैयारियां और केंद्र सरकार की ओर से सुरक्षा समीक्षा बैठकों ने यह संकेत दिया था कि कश्मीर धीरे-धीरे स्थिरता की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में यह हमला एक सोची-समझी 'काउंटर सिग्नलिंग' रणनीति का हिस्सा लगता है। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि पाकिस्तानी आतंकी गुट अब बड़े पैमाने पर हिंसा की बजाय लो-इंटेंसिटी लेकिन हाई-विजिबिलिटी ऑपरेशन पर जोर दे रहे हैं। उद्देश्य यह नहीं कि किसी इलाके पर कब्जा किया जाए, बल्कि यह कि एक छोटी घटना की गूंज से बड़े पैमाने पर डर पैदा हो, ताकि सामान्य हालात और पर्यटन के बूम की छवि को कमजोर किया जा सके। पिछले अनुभव बताते हैं कि ऐसी घटनाओं का असर लंबे समय तक रहता है। आतंकी हमलों के बाद पर्यटकों की बुकिंग में 60 से 75 प्रतिशत तक गिरावट देखी गई है। होटल ऑक्यूपेंसी, जो सामान्य दिनों में 70 से 80 प्रतिशत रहती है, वह 25 से 30 प्रतिशत तक सिमट जाती है। इसका सीधा असर स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। टैक्सी चालक, घोड़ा-खच्चर वाले, टूर गाइड और छोटे कारोबारी महीनों तक बेरोजगारी का सामना करते हैं। इस तरह आतंकवादी एक गोली चलाए बिना भी सैकड़ों परिवारों की आजीविका को प्रभावित कर देते हैं। यही उनकी रणनीति का असली मकसद है।डर का ऐसा माहौल बनाना, जिससे विकास और सामान्य जीवन की रफ्तार थम जाए। ऑपरेशन त्राशी-1 यह भी दिखाता है कि आतंकवाद ने तकनीक और भूगोल दोनों के लिहाज से खुद को ढाल लिया है। जमीन के नीचे बने ठिकाने, कई एंट्री-एग्जिट प्वाइंट, लंबी अवधि का राशन और ऊंचाई पर टिकने की तैयारी इस बात का संकेत है कि आतंकी अब गुरिल्ला युद्ध के साथ-साथ सर्वाइवल मोड में भी माहिर हो चुके हैं। यह सुरक्षा बलों के लिए एक नई चुनौती है, क्योंकि ऐसे ठिकानों का पता लगाना पारंपरिक खुफिया तरीकों से कहीं ज्यादा मुश्किल हो जाता है। इसके लिए स्थानीय इनपुट, टेक्नोलॉजी आधारित सर्विलांस और नागरिकों के साथ विश्वास का रिश्ता बेहद जरूरी हो जाता है। इस पूरे परिदृश्य में पाकिस्तान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भले ही यह राशन सीमा पार से न आया हो, लेकिन आतंकियों को प्रशिक्षित करने, उन्हें वैचारिक समर्थन देने और नैरेटिव वॉर चलाने में पाकिस्तान की भूमिका बार-बार सामने आती रही है। भारत का अनुभव रहा है कि पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति की बात करने और जमीनी हकीकत में आतंक को हवा देने का यह दोहरा चरित्र नया नहीं है। किश्तवाड़ की घटना इसी सच्चाई की याद दिलाती है कि जब तक सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद का ढांचा पूरी तरह खत्म नहीं होता, तब तक सतर्कता में कोई ढील नहीं दी जा सकती। हालांकि, यह भी सच है कि सुरक्षा बलों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई ने एक बड़े खतरे को समय रहते उजागर कर दिया। अगर यह ठिकाना लंबे समय तक सक्रिय रहता, तो यह पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर सुरक्षा चुनौती बन सकता था। सेना और अन्य एजेंसियों की इस सफलता ने यह संदेश दिया है कि आतंकियों की हर चाल पर नजर रखी जा रही है।

लेकिन साथ ही यह चेतावनी भी है कि खतरा टला नहीं है, सिर्फ उसका स्वरूप बदला है। कश्मीर में शांति और विकास की राह आसान नहीं है। एक ओर सड़कें, स्कूल, अस्पताल और पर्यटन ढांचा मजबूत हो रहा है, तो दूसरी ओर आतंकवाद अपनी आखिरी सांसों में भी सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में जरूरी है कि सुरक्षा, विकास और विश्वास तीनों को साथ लेकर चला जाए। स्थानीय युवाओं को रोजगार और शिक्षा के अवसर देना, समाज को आतंक के खिलाफ खड़ा करना और सीमा पार के झूठे नैरेटिव का जवाब तथ्यों और स्थिरता से देना ही इसका रास्ता है। ऑपरेशन त्राशी-1 एक छोटी घटना लग सकती है, लेकिन इसका असर और संदेश बहुत बड़ा है। यह बताता है कि आतंकवादी आज भी सक्रिय हैं, उनकी रणनीतियां बदल रही हैं और उनका लक्ष्य अब भी वही है।डर पैदा करना और सामान्य जीवन को बाधित करना। भारत के लिए यह समय आत्मसंतोष का नहीं, बल्कि निरंतर सतर्कता और मजबूत संकल्प का है। जब तक आतंक के हर ठिकाने, चाहे वह जमीन के ऊपर हों या नीचे, पूरी तरह खत्म नहीं हो जाते, तब तक शांति की यह लड़ाई जारी रहेगी।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

आरेडिका में तीन दिवसीय 'हिंदी नाट्य कार्यशाला' का आयोजन

लालगंज रायबरेली। आरेडिका के कार्मिकों को नाट्य विधा में पारंगत करने, संवाद अदायगी, भाव-प्रस्तुति, अभिनय तकनीक तथा नाट्य अनुशासन आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा तीन दिवसीय 'हिंदी नाट्य कार्यशाला' का सफल आयोजन किया गया।इस कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में हिंदी रंगमंच के 25 से अधिक वर्षों का समृद्ध अनुभव रखने वाले प्रतिष्ठित रंगकर्मी अर्पित मिश्रा उपस्थित रहे। उन्होंने नाट्य कर्मियों को नाट्य विधा के विविध पक्षों-जैसे मंचीय आचरण, पात्र-निर्माण, स्वर संवाद, भाव इत्यादि पर न केवल सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, बल्कि स्वयं मंच पर अभिनय करके उदाहरण भी प्रस्तुत किए, जिससे प्रतिभागियों को सीखने में विशेष सहूलियत हुई।कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य राजभाषा अधिकारी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं दर्शकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ कर्मचारियों की सृजनात्मक क्षमता के विकास के साथ-साथ राजभाषा हिंदी के प्रयोग को भी सुदृढ़ करती हैं।इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को नाट्य विधा के विभिन्न आयामों की गहन जानकारी प्राप्त हुई, जो भविष्य में नाट्य प्रस्तुतियों को अधिक प्रभावी, अनुशासित एवं दर्शक-सापेक्ष बनाने में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही, कार्यशाला ने आरेडिका में सांस्कृतिक चेतना और टीम भावना को भी नई दिशा प्रदान की।

आवारा कुत्ते का कहर मासूम पर किया हमला हुआ लहूलुहान, खेत में खेलते समय बच्चे का नोचा कान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर के थाना तालगांव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुजिया में एक आवारा कुत्ते ने मासूम पर हमला कर दिया। खेत में खेलते समय एक मासूम बच्चे पर कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। कुत्ते के हमले में 7 वर्षीय मासूम प्रशांत गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे परिजनों द्वारा तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है। घटना के संबंध में घायल बच्चे के पिता अनूप कुमार ने बताया कि उनका बेटा प्रशांत खेत में अपनी मां के साथ मौजूद था और आसपास ही खेल रहा था। इसी दौरान पास

के गन्ने के खेत से अचानक एक आवारा कुत्ता निकलकर आया और बच्चे पर झपट पड़ा कुत्ते ने प्रशांत के कान को बुरी तरह नोच डाला, जिससे उसका कान कट गया और वह लहूलुहान हो गया बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर दौड़े और किसी तरह कुत्ते को भगाया। घटना के बाद परिजन घायल बच्चे को लेकर तुरंत जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को स्थिर बताया है चिकित्सकों के अनुसार बच्चे को एंटी-रेबीज इंजेक्शन सहित अन्य आवश्यक दवाएं दी जा रही हैं और वह डॉक्टरों की निगरानी में है इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन इस ओर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा कुत्तों के खिलाफ अभियान चलाकर उन्हें पकड़ने और उचित व्यवस्था करने के ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो!!

महिला से टप्पेबाजी के आरोप में दो पर केस

लालगंज, प्रतापगढ़। टप्पेबाजी कर महिला से नाक की कील ले जाने वाले आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उदयपुर थाना के नसीरपुर निवासी मो0 हासिम पुत्र हाफिज ने दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि बीस जनवरी को खेत में काम करने गयी उसकी दादी मोमिन बानो की नाक की कील टप्पेबाज झांसा देकर लेकर चले गये। उदयपुर के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नहर पटरी कटने से यूसुफपुर गांव की गेहूं फसल जलमग्न, किसानों ने तहसील में किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के यूसुफपुर गांव के किसानों ने मंगलवार को तहसील परिसर में प्रदर्शन कर नष्ट हुई गेहूं की फसल का मुआवजा दिलाए जाने की मांग की। किसानों ने सामूहिक रूप से उपजिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी को प्रार्थना पत्र सौंपा। किसानों का कहना है कि गंगा एक्सप्रेसवे की ओर से नहर पर बनाए गए पुल और पटरी के क्षतिग्रस्त होने के कारण नहर का पानी उफनाकर गांव और खेतों में भर गया। इससे करीब 200 बीघे फसल जलमग्न हो गई, जबकि लगभग 80 बीघे गेहूं की फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। ग्रामीण नरेंद्र सिंह, ओम प्रकाश, रामखेलावन, कुशमा, सरजू देवी, भोला शंकर, सुंदर, फूला देवी, बबली, मीना, रामचरण, पीर मोहम्मद, राजेंद्र, किरन सहित अन्य किसानों ने बताया कि पुल के पास नहर पटरी की समय रहते मरम्मत नहीं कराई

गई। वर्तमान में भी नहर का पानी बहकर खेतों में भर रहा है, जिससे किसानों की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नहर पटरी की मरम्मत नहीं कराई गई। किसानों ने संयुक्त रूप से प्रार्थना पत्र देकर नष्ट हुई फसल के मुआवजे की मांग की है तथा गंगा एक्सप्रेसवे निर्माण इकाई और नहर विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी ने किसानों को कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए हल्का लेखपाल को मौके पर जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

ग्राम सभा नरायनपुर में ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार लोधी के नेतृत्व में कंबल वितरित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराजगंज/रायबरेली। क्षेत्र के ग्राम पंचायत नरायनपुर गांव में ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार लोधी के नेतृत्व में आयोजित विशाल खिचड़ी भोज एवं कंबल वितरण कार्यक्रम सामाजिक समरसता, सेवा और जनकल्याण का अनुपम उदाहरण बन गया। कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति ने ऐतिहासिक बना दिया। इस भव्य आयोजन में ग्राम सभा के तीन सौ से अधिक जरूरतमंद परिवारों को ठंड से राहत देने हेतु कंबल वितरित किए गए, जिससे गरीब एवं असहाय परिवारों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। प्रधान प्रदीप कुमार लोधी द्वारा एक ही स्थान पर सभी वर्गों को एकत्र कर समरसता भोज आयोजित करना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। जो व्यक्ति जनता के सुख-दुख में सहभागी बनता है, वही सच्चा जनसेवक होता है।' प्रधान प्रदीप कुमार लोधी ने बताया कि, ग्राम सभा

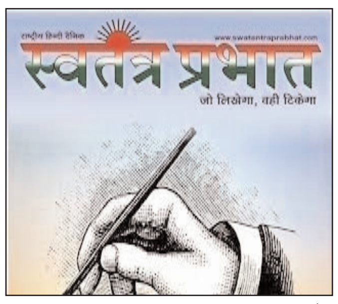

में हर वर्ष कंबल वितरण की परंपरा रही है, ताकि कोई भी परिवार ठंड से पीड़ित न रहे। कार्यक्रम में ग्राम सभा के सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे और उन्होंने इस आयोजन की सफलता में योगदान दिया। इस मौके पर मुकेश कुमार, देशराज, श्यामलाल, दिनेश कुमार दीनदयाल, रावत, राममिलन, संजय, रामकुमार, मनोज कुमार, रामप्रसाद , रोहित त्यागी, गुड्डू, गुरूप्रसाद, रामदीन, रामखेलावन, राजकरन, अखिलेश, अरविंद, रामराज, संतराम सहित आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं व छात्राओं को किया गया जागरूक

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर पुलिस की ओर से बुधवार को स्थानीय बाजार में मिशन शक्ति के तहत महिलाओं व छात्राओं को जागरूक किया गया। महिला उप निरीक्षक स्वाती वर्मा की अगुवाई में मिशन शक्ति टीम ने बाजार में महिलाओं को योजना के तहत मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित पर्चे बांटे। टीम ने 1090 व डॉयल 112 आदि टोल फ्री नम्बरों पर परेशानी में महिलाओं से पुलिस की मदद लेने के बाबत जानकारी बांटी। महिला उप निरीक्षक स्वाती वर्मा ने बताया कि थानों पर महिलाओं की समस्या के निदान के लिए अलग से काउण्टर बनाए गए हैं। जहां वे शिकायत कर सकती है। इस मौके पर महिला आरक्षी गुंजा सरोवर, श्वेता दीक्षित आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्रैक्टर एजेंसी संचालक के इकलौते बेटे की मौत

● शादी की खुशियां मातम में बदलीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बेहटा कला गांव के पास सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्रैक्टर एजेंसी संचालक के इकलौते बेटे की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सरायकुर्मी गांव निवासी रामशरन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका भतीजा दीपक वर्मा (19) सोमवार रात करीब 10:30 बजे बाइक से गांव से कस्बे की ओर आ रहा था। बेहटा कला गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां से हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से दीपक को लखनऊ ट्रामा सेंटर भेजा गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। दीपक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और तीन बहनों–दीपिका, संदीपिका और मोनिका–का भाई था। वह पढ़ाई के साथ-साथ पिता के कारोबार में भी हाथ बंटाता था। परिवार में 8 फरवरी को बहन मोनिका की शादी होनी थी, जिसकी तैयारियां चल रही थीं,

लेकिन बेटे की मौत से खुशियां मातम में बदल गई। मां अनीता, पिता रामलखन और तीनों बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के चाचा की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह ने जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

महराजगंज/रायबरेली: मऊ ग्राम पंचायत में हर घर प्रत्येक महिला कंबल अभियान के अंतर्गत आज मंगलवार को पूर्व ब्लाक प्रमुख व मऊ प्रधान प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता सत्येंद्र प्रताप सिंह ने छूते हुए परिवारों के घर-घर जाकर कंबल प्रदान किया और आशीर्वाद लिया। श्री प्रमुख ने बताया कि, उनके द्वारा भीषण ठंड को देखते हुए बीते हैं 15 दिनों से चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत जो परिवार कंबल से लेने से वंचित रह गए थे उन परिवारों के घर पर जाकर वह हर घर प्रत्येक महिला के हिसाब से कंबल वितरित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आपको बता दें कि, विगत 15 दिनों से पूर्व प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह द्वारा भीषण ठंड को देखते हुए घर-घर प्रत्येक महिला कंबल वितरण अभियान चलाया हुआ था जिसके अंतर्गत उन्होंने लगभग 4000 महिलाओं को कंबल वितरित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी क्रम में छूते हुए परिवारों के घर मंगलवार के दिन जाकर कंबल प्रदान किया। सिंह ने बताया कि, यह पुनीत कार्य वह बीते 10 वर्षों से लगातार करते चले आ रहे हैं। इस बार भी उन्होंने जनवरी मा के शुरू होते ही अपना अभियान शुरू कर दिया और अभी तक निरंतर उनका अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि इस दौरान जो परिवार वंचित रह गए थे उन्हें अब वह और उनकी टीम घर-घर जाकर छूते हुए परिवारों को कंबल प्रदान कर आशीर्वाद ले रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि उनके द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम किसी राजनीति से प्रेरित नहीं है। यह कार्य उनके पिताजी के जमाने से चल रहा है, श्री सिंह के पिता गोकुल सिंह फिर उसके बाद पप्पू सिंह और अब यह पुस्तक परंपरा को संभाले हुए हैं। इनका कहना है कि लोगों की मदद करने से इन्हें सुख की अनुभूति होती है और आज यह जो कुछ भी है इन्हीं लोगों के आशीर्वाद की बदौलत है। पूर्व प्रमुख ने कहा कि, कार्य की व्यवस्था होने की वजह से वह हर दिन तो नहीं ग्राम सभा के लोगों से मिल पाते हैं इसी कंबल वितरण के बहाने हर घर जाकर लोगों के दुख सुख हाल-चाल जानने का एक अवसर मिलता है, और लोगों की समस्याएं से अवगत होते हैं जिसके बाद उन समस्याओं का यथा संभव निवारण भी करते हैं। इस पुनीत कार्य में उनके साथ उनकी टीम के रमेश सिंह (विधायक), गणेश शंकर तिवारी, अनिल द्विवेदी, अखिलेश शुक्ला, गुड्डू शर्मा, उमाकांत अवस्थी, शुभम सिंह, दीपक सिंह, अंकित यादव, काली दीन, रज्जू, बृजेश समेत अन्य संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

'अरावली पर नया संकट' पुस्तक का लोकार्पण—जल संरक्षण और पर्यावरण चेतना का सशक्त संदेश अलवर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में प्रसिद्ध जल संरक्षण कार्यकर्ता एवं वॉटरमैन ऑफ इंडिया डॉ. राजेन्द्र सिंह द्वारा लिखित तथा वरिष्ठ पर्यावरणविद् प्रो. भरत राज सिंह द्वारा संपादित पुस्तक 'अरावली पर नया संकट' का भव्य लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर विदेशी प्रतिनिधिमंडल की गरिमामयी उपस्थिति व एस.एम.एस. के बी.बी.ए. के छात्र उत्कर्ष सिंह भी उपस्थित में, प्रतिनिधि मण्डल ने अलवर क्षेत्र का भ्रमण कर डॉ. राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में किए गए जल पुनर्भरण कार्यों–बावड़ियों, पोखरों, तालाबों एवं अन्य जलस्रोतों–को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इन प्रयासों से न केवल जलस्रोतों में पुनः जल भराव हुआ, बल्कि भूमि की उर्वरता भी पुनर्जीवित हुई है। डॉ. राजेन्द्र सिंह ने पुस्तक के संपादन हेतु प्रो. भरत राज सिंह (वर्तमान में महानिदेशक (तकनीकी), स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ) के योगदान की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रो. सिंह द्वारा पुस्तक का संपादन, साथ ही सारगर्भित दोशब्द एवं भूमिका लेखन, इस कृति को और अधिक प्रामाणिक व प्रभावी बनाता है। यह पुस्तक अरावली क्षेत्र पर मंडराते पर्यावरणीय संकटों को रेखांकित करते हुए संरक्षण की दिशा में ठोस विमर्श प्रस्तुत करती है। इस अवसर पर उन्होंने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह के प्रयासों का भी उल्लेख किया गया। डॉ. राजेन्द्र सिंह ने बताया कि शरद सिंह के नेतृत्व में एसएमएस परिसर को रूफ-टॉप सोलर संयंत्र की स्थापना के माध्यम से

100% हरित ऊर्जा पर संचालित किया जा रहा है, जो सतत विकास की दिशा में एक अनुकरणीय पहल है। पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम ने जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन एवं हरित ऊर्जा के महत्व पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक संदेश दिया।

एसपी ने किया थाना औराई का निरीक्षण, इन्फ्रास्ट्रक्चर व आधुनिकीकरण कार्यों की गहन समीक्षा की

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनपद थाना औराई का निरीक्षण किया , जहाँ उन्होंने थाना परिसर में चल रहे इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास एवं आधुनिकीकरण से संबंधित कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए; निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय एवं अन्य भवनों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया गया तथा उन्हें और अधिक सुदृढ़, सुव्यवस्थित एवं जनोपयोगी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आधुनिक पुलिस व्यवस्था के अंतर्गत थानों एवं चौकियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे पुलिस कार्य प्रणाली अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बन सके; इसी क्रम में संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने, भवनों के नवीनीकरण, मरम्मत तथा पुराने व अव्यवस्थित ढांचों को सुधारने के निर्देश दिए गए। श्री मांगलिक ने यह भी निर्देशित किया कि थानों एवं चौकियों पर आने वाले आगंतुकों व आवेदकों के लिए स्वागत योग्य माहौल सुनिश्चित किया जाए, जहाँ नागरिक सम्मानपूर्वक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें; बैठने की उचित व्यवस्था, शिकायत निवारण की स्पष्ट प्रक्रिया तथा पुलिसकर्मियों के व्यवहार में संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी जाए, ताकि आमजन का पुलिस पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

अतिक्रमण हटाने के नोटिस पर व्यापारियों का विरोध, प्रशासन से वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में शहर में नगर पालिका परिषद द्वारा अतिक्रमण हटाने को लेकर जारी नोटिस के बाद बुधवार को बड़ी संख्या में मेडिकल व्यापारी और अन्य दुकानदार जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। जिला अस्पताल से लालबाग मार्ग तक सड़क के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई के विरोध में दुकानदारों ने सिटी मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर अपनी परेशानियों को सामने रखा और मामले में पुनर्विचार करने की मांग की सैकड़ों दुकानदारों ने बताया कि नगर पालिका द्वारा उन्हें सड़क सीमा में दुकानें आने का हवाला देते हुए नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस जिला अस्पताल से लालबाग मार्ग तक दोनों तरफ किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए दिया गया है नगर पालिका का कहना है कि चौराहों के सौंदर्यीकरण और सड़कों के चौड़ीकरण के उद्देश्य से यह कार्रवाई की जा रही है, ताकि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। मेडिकल व्यापारियों और दुकानदारों का कहना है कि वे वर्षों से यहां व्यवसाय कर रहे हैं और अचानक नोटिस मिलने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। दुकानदारों ने

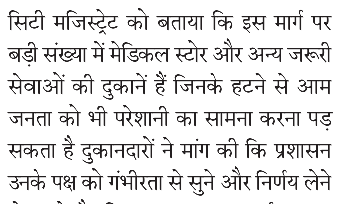

सिटी मजिस्ट्रेट को बताया कि इस मार्ग पर बड़ी संख्या में मेडिकल स्टोर और अन्य जरूरी सेवाओं की दुकानें हैं जिनके हटने से आम जनता को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है दुकानदारों ने मांग की कि प्रशासन उनके पक्ष को गंभीरता से सुने और निर्णय लेने से पहले वैकल्पिक व्यवस्था या पर्याप्त समय उपलब्ध कराया जाए उन्होंने यह भी कहा कि यदि अतिक्रमण हटाना आवश्यक है, तो दुकानदारों को पुनर्वास या अन्य स्थान उपलब्ध कराने पर विचार किया जाए। वहीं प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि सड़क सीमा में आने वाले अतिक्रमण को हटाना अनिवार्य है। नोटिस के अनुसार, संबंधित दुकानदारों को 26 जनवरी तक स्वयं अतिक्रमण हटाने का समय दिया गया है इसके बाद नगर पालिका द्वारा कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने दुकानदारों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह कदम शहर के विकास और यातायात सुधार के लिए उठाया जा रहा है!!

तहसीलदार के विरोध में अधिवक्ताओं का धरना, तहसील में न्यायिक कार्य ठप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। तहसील परिसर में बुधवार को बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन के तत्वावधान में अधिवक्ताओं ने प्रभारी तहसीलदार के विरोध में धरना प्रदर्शन किया। नायब तहसीलदार खीरों की अदालत में पारित एक आदेश को लेकर अधिवक्ता आक्रोशित थे। विरोध के चलते अधिवक्ताओं ने पूरे दिन न्यायिक कार्य से स्वयं को विरत रखा, जिससे तहसील में कामकाज पूरी तरह ठप हो गया और वादकारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। धरने के दौरान अधिवक्ताओं ने नारेबाजी की, जिससे तहसील परिसर में दिनभर तनावपूर्ण माहौल बना रहा। बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र नाथ सिंह ने आरोप लगाया कि तहसीलदार न्यायालय में गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पत्रावलियों से छेड़छाड़ की जा रही है और सुनवाई की नियत तिथि से पहले ही आदेश पारित कर दिए जा रहे हैं, जो न्याय प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ है। अधिवक्ता केदारनाथ दीक्षित ने बताया कि उनके एक वाद में 14 नवंबर 2025 की तारीख नियत थी। 11 जनवरी को आदेश की जानकारी लेने पर पीठासीन अधिकारी ने बताया कि अभी कोई आदेश पारित नहीं हुआ है, जबकि बाद में पक्षकार ने जानकारी दी कि मामले में 2 दिसंबर को ही आदेश पारित हो चुका था। इस मामले के सामने आने के बाद अधिवक्ताओं में रोष फैल गया। अधिवक्ताओं ने प्रभारी तहसीलदार पर अभद्र व्यवहार का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि न्यायालय में पारदर्शिता समाप्त हो रही है, जिससे अधिवक्ताओं और वादकारियों का भरोसा टूट रहा है।

धरने में संगठन के महामंत्री सुरेश निगम, शिवशंकर पांडेय, रामनारायण श्रीवास्तव, अजीत प्रताप सिंह, संजय अवस्थी, पंकज मिश्रा, रामकिशुनन, श्यामू यादव, कुलदीप सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल रहे। अधिवक्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि जब तक जांच नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस प्रकरण को लेकर अधिवक्ताओं ने बृहस्पतिवार को प्रेस कांफ्रेंस बुलाने की घोषणा की है। वहीं उपजिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि अधिवक्ताओं द्वारा लगाए गए आरोप जांच का विषय हैं।

36 घण्टों बाद भी किशोरी के अपहरण कर्ता का कोई सुराग नहीं

अपहृत किशोरी के परिजनों को सता रहा है किशोरी के साथ अनहोनी का डर

हमीरपुर : बीते मंगलवार जनपद में बिवांर थाना क्षेत्र के महेरा गांव की अपहृत किशोरी और अपहरण कर्ता रिंकू उर्फ डूंगर सिंह का पुलिस 36 घण्टों बाद भी कोई सुराग नहीं लगा सकी है।वहीं किशोरी के परिजनों को डर सता रहा है कि ,कहीं उनकी बच्ची के साथ कोई अनहोनी न घटित हो जाए। पीड़ित परिवार के लोग उदास और गुमसुम बैठे हैं और घर में साहनुभूति जताने वाले आ-जा रहे हैं।पीड़ित पिता कुंदन ने बताया कि घर में किसी ने खान भी नहीं खाया है।बताया कि पकड़े गए आरोपियों की ओर से तरह-तरह की धमकियां भी आ रहीं हैं।बताया रात के समय पुलिस गांव व आसपास क्षेत्र ने पता करती घूमती रही है लेकिन अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है।किशोरी के पिता ने बताया कि वह खुद अपने स्तर से खोजबीन कर रहे हैं ,उन्हें पता चला है कि आरोपी रिंकू और उसकी पुत्री बीती रात पतरिया डेरा में रुके थे।वहीं मौदहा सीओ राजकुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए दो टीमें बनाई गई हैं।आरोपी के रिश्तेदारियों ,संपर्कियों और अन्य वैज्ञानिक तरीकों से खोज की जा रही है।

मंदिर में बलि देने आए युवक को बांके समेत पकड़ा चेकिंग के दौरान बैग से धारदार हथियार बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर! जनपद सीतापुर में धार्मिक नगरी तीर्थ नैमिषारण्य स्थित आदि शक्तिपीठ मां ललिता देवी मंदिर में आज शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब मंदिर परिसर में एक युवक के पास से धारदार हथियार बरामद हुआ यह घटना शाम करीब 5:30 बजे की है, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन-पूजन के लिए मंदिर में मौजूद थे। कुसेंन्द्र पुत्र विश्राम राजवंशी (26) मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात पर्यटन चौकी प्रभारी राजेश शुक्ला को युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं क्योंकि वह बार-बार अपने हाथ में पकड़े बैग को खोलकर देख रहा था। शक होने पर पुलिस ने बैरिकेडिंग के पास युवक को रोककर अन्य पुलिसकर्मियों की मदद से बैग की तलाशी ली तलाशी के दौरान बैग से एक बाका (धारदार हथियार) बरामद हुआ। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर युवक ने चौंकाने वाला बयान दिया। उसने बताया कि वह अपनी मन्नत पूरी होने पर मंदिर में बली देने आया था और बाका की पूजा भी करके लाया है। युवक की इस बात को सुनकर मौके पर मौजूद श्रद्धालु और पुलिसकर्मी दंग रह गए। तत्काल उसे थाने ले जाया गया, जहां नाम-पता की जानकारी लेकर उसके परिजनों को बुलाया गया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि युवक की मानसिक स्थिति काफी समय से ठीक नहीं है। पुलिस की तत्परता से एक बड़ी और गंभीर घटना घटित होने से बच गई। उल्लेखनीय है कि ललिता देवी मंदिर में पूर्व में भी बली से जुड़ी घटनाएं सामने आ चुकी हैं कई वर्ष पूर्व मंदिर प्रांगण में

गला काटने की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है, वहीं कुछ मामलों में भक्तों द्वारा जीभ काटने जैसी घटनाएं भी हुई हैं इस संबंध में मंदिर के प्रधान पुजारी गोपाल शास्त्री ने स्पष्ट किया कि मां ललिता देवी वैष्णव शक्तिपीठ हैं और यहां किसी भी प्रकार की नरबली या पशुबलि का कोई विधान नहीं है। उन्होंने बताया कि मां को प्रसन्न करने के लिए केवल नारियल की भेंट चढ़ाने की परंपरा है!

बाथरूम के बाहर अचानक गिरा हेड कांस्टेबल हुई मौत मचा हड़कंप, हार्ट अटैक की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर! जनपद सीतापुर पुलिस लाइन में तैनात मुख्य आरक्षी की अचानक मौत से पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान 1995 बैच के मुख्य आरक्षी अनिल कुमार यादव के रूप में हुई है, जो मूल रूप से डलमऊ थाना क्षेत्र, जनपद रायबरेली के निवासी थे। बताया जाता है कि अनिल कुमार यादव बीते लगभग एक वर्ष से सीतापुर पुलिस लाइन में तैनात थे और अपनी शांत एवं अनुशासित कार्यशैली के लिए जाने जाते थे जानकारी के अनुसार, घटना देर शाम उस समय हुई जब मुख्य आरक्षी अनिल कुमार यादव खाना खाने के बाद बाथरूम की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वह अचानक बाथरूम के बाहर जमीन पर गिर पड़े। साथ मौजूद सहकर्मियों ने उन्हें तुरंत संभालने की कोशिश की और चिकित्सकीय सहायता के लिए ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों के पैनल द्वारा पोस्टमॉर्टम कराया गया, ताकि मृत्यु के सटीक कारणों की पुष्टि की जा सके। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिजन शव को लेकर अपने पैतृक गांव डलमऊ, रायबरेली के लिए रवाना हो गए। मुख्य आरक्षी अनिल कुमार यादव की अचानक हुई मृत्यु से पुलिस लाइन में शोक का माहौल है। साथी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों ने उन्हें एक कर्तव्यनिष्ठ, मिलनसार और जिम्मेदार पुलिसकर्मी बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। पुलिस विभाग ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है!!

राशन चोरी मामले में ब्लॉक प्रमुख समेत तीन पर मुकदमा, महिला कोटेदार ने किया था खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में खाद्यान्न चोरी के मामले में जिलाधिकारी के निर्देश पर बड़ा एक्शन लिया गया है। शहर कोतवाली में भाजपा से बेहटा ब्लॉक प्रमुख एवं परिवहन ठेकेदार कल्पना वर्मा पत्नी नीरज वर्मा झल्लर सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है यह कार्रवाई जांच रिपोर्ट, महिला कोटेदार के बयान और वीडियो के आधार पर की गई है। खाद विपणन निरीक्षक शांतनु मिश्रा की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में परिवहन ठेकेदार कल्पना वर्मा, डीसीएम चालक नौशाद तथा एक अज्ञात परिचालक को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के पुराने सीतापुर का है जहां सोमवार देर रात महिला कोटेदार ने सरकारी

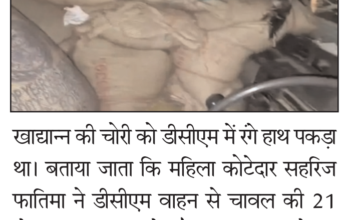

खाद्यान्न की चोरी को डीसीएम में रंगे हाथ पकड़ा था। बताया जाता कि महिला कोटेदार सहरिज फातिमा ने डीसीएम वाहन से चावल की 21 बोरियां पकड़ी थीं आरोप है कि चावल की बोरियां वाहन के केबिन और छत पर छिपाकर रखी गई थीं आरोप है कि चालक नौशाद चोरी की नीयत से खाद्यान्न को छिपाकर ले जा रहा था। इस दौरान कोटेदार ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। खाद्यान्न पकड़े जाने के बाद चालक और परिचालक वाहन व माल छोड़कर फरार हो गए थे महिला कोटेदार ने तत्काल जिला पूर्ति अधिकारी से शिकायत की थी। अपने बयान में सहरिज फातिमा ने आरोप लगाया कि सरकारी राशन की चोरी बड़े स्तर पर होती है और इसके पीछे एक लंबी चैन काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कार्रवाई करने के बजाय कुछ अधिकारी उन पर ही दबाव बना रहे थे। आरोप है कि ठेकेदार बैठकों में कालाबाजारी के चलते चालक नौशाद को ब्लैकलिस्ट करने की बात करते हैं लेकिन बाद में उसी चालक से खाद्यान्न की सप्लाई कराई जाती है साथ ही, महिला कोटेदार होने के बावजूद उनके कोटे पर रात के अंधेरे में सप्लाई भेजे जाने का भी आरोप लगाया गया। जांच के बाद डीएम के निर्देश पर अब मुकदमा दर्ज कर लिया गया है इंस्पेक्टर अनूप शुक्ला का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी!!

संक्षिप्त खबरें

अस्पताल से छुट्टी के बाद पुलिस ने आरोपी को अदालत में किया पेश

हमीरपुर :- सुमेरपुर कस्बे में लव जिहाद और गैंगरेप के बाद धर्मांतरण का दबाव बनाने के मुख्य आरोपी को पुलिस ने बुधवार को न्यायालय में पेश किया। न्यायालय में उसे जेल भेज दिया। गत 14 जनवरी की रात हिंदू समुदाय की नाबालिग युवती का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। पीड़िता के पिता की तहरीर पर लव जिहाद, गैंगरेप एवं धर्मांतरण का दबाव बनाने की प्राथमिकी 15 जनवरी को दर्ज हुई थी। घटना के मुख्य आरोपी अबान उर्फ अफ़ान को थानाध्यक्ष एवं उनकी टीम ने देवगांव मार्ग से 15 जनवरी को देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करके तमंचा, कारतूस एवं मोबाइल आदि बरामद किया था। मुठभेड़ में उसके दाहिने पैर में गोली लगी थी।। घायल होने के बाद इसको कानपुर के हैलेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंगलवार की रात पुलिस ने इसे डिस्चार्ज कराकर बुधवार को न्यायालय में पेश किया था। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी को बुधवार को अदालत में पेश किया था। अदालत ने उसे जेल भेज दिया है।बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

मौदहा ने एकतरफा मैच में निवादा को नौ विकेट से हराया

हमीरपुर :- बांधुर बुजुर्ग के बजरंग क्रिकेट ग्राउंड में बीते एक सप्ताह से चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार के दिन मौदहा और निवादा के बीच मैच खेला गया ,जिसमें मौदहा फाइटर्स टीम ने निवादा टीम को एकतरफा मैच में नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।दोपहर कगभग बारह बजे शुरू हुए मैच का टॉस मौदहा टीम ने जीता और निवादा को ओहल बल्लेबाजी का न्योता दिया।निर्धारित 10-10ओवरों के मैच में निवादा की तरफ से निवादा के कैप्टन विमल और शुभम ओपनिंग बल्लेबाजी करने आए। विमल ने 25 रन बनाए और शुभम ने 9 रन बनाए दोनों ने मिलकर 36 रनों की साझेदारी की।ओपनर बल्लेबाजों के आउट होने के बाद बाकी बल्लेबाज सस्ते में निबट गए और निर्धारित 10 ओवरों निवादा की टीम कुल 57 रन सकी।मौदहा फाइटर्स की ओर से संदीप और शंशाक ने 3 ,3 विकेट लिए। वहीं लक्ष्य पाने को उतरी मौदहा की टीम से राज और अभिषेक ओपनिंग करने आए जिन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए राज ने तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 35 रन बनाए और अभिषेक ने दो छक्कों और दो चौकों की मदद से 20 रन बनाए।अभिषेक के विकेट गिरने के बाद बैटिंग करने उतरे टीम के कैप्टन अरुण ने पांचवे ओवर की आखरी बॉल पर छक्का मार कर अपनी टीम को नौ विकेट से जीत दिला दी।35 रन बनाने पर मौदहा के राज को मैन ऑफ मैच दिया गया।मैच में अंपायरिंग रामकिशन कुशवाहा और संतोष यादव ने की व कमेंटेटर तौफीक मुहम्मद रहे।

भागवत कथा में कृष्ण लीलाओं और गोपियों व उद्धव जी के बीच हुए संवाद का का वर्णन किया

हमीरपुर :- सुमेरपुर विकासखण्ड क्षेत्र के छानी बुजुर्ग गांव की बड़ी देवी मंदिर में चल रही भागवत कथा बुधवार के दिन कथा व्यास योगेश महाराज ने भगवान कृष्ण की लीलाओं का अत्यंत की रोचक वर्णन किया ,उसके बाद कंस वध और रुक्मिणी विवाह की कथा सुनाई।कथा व्यास ने कथा सुनाते हुए बताया कि कंस वध के बाद वे उद्धव जी से मिले तो उद्धव जी ने निराकार ब्रम्ह की उपासना पर जोर देते हुए कृष्ण को भगवान मानने में संदेह जताया और गोपियों के कृष्ण प्रेम पर ही प्रश्न खड़े किए ,जिसपर भगवान कृष्ण ने उन्हें जाकर गोपियों से मिलकर उन्हें निर्गुण ब्रम्ह के बारे में उपदेश और ज्ञान देने का अनुरोध किया।उद्धव जी ने गोकुल जाकर गोपियों को मूर्ति पूजा और किसी व्यक्ति की भगवान मानने के बजाय निराकार ब्रम्ह का उपदेश दिया।जिसपर गोपियों ने उद्धव जी प्रेम का अर्थ समझाते हुए कहा कि के उद्धव आप तो कृष्ण के सखा हैं फर भी आप उनके ब्रम्ह स्वरूप को नहीं समझ सके।गोपियों ने कहा कि उद्धव निरालम्ब मन चकृत धावै ,जब हमारे पास कोई आलम्बन नहीं होगा तो हमारा मन इधर-उधर भटकता है और फिर जब हमारे समक्ष साक्षात ब्रम्ह है तो हम किसी एयर ब्रम्ह को क्यों खोजें।उद्धव जी गोपियों के प्रेम को देखकर स्वयं ही कृष्ण भक्त हो जाते हैं।गोपियों और उद्धव संवाद के बाद कथा व्यास नके रुक्मिणी विवाह की कथा सुनाई।इस दौरान कमेटी के आशुतोष व्यास और रिया व्यास , व्यवस्थाप प्रेम व्यास , सुनील व्यास, अजयवीर सिंह, सुखवीर सिंह, वीरपाल सिंह मोनू व्यास कार्यकर्ताओं समेत सैकड़ों लोगों ने कथा का आनन्द उठाया।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा बागान के नाचघर से लक्ष्मी नारायण मंदिर तक सड़क निर्माण कार्य अधूरा! स्थानीय लोगों की महत्वपूर्ण शिकायते

● सही जांच के माध्यम से नियम अनुसार व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक का ध्यान आकृष्ट

विभाग के अधिकारी मौन दर्शक की भूमिका में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : वर्तमान सरकार 'सबका साथ सबका विकास' सबका विश्वास, इस नारे के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में विकासात्मक कार्यों के जरिए विकास के उद्देश्य से प्रत्येक ग्रामीण क्षेत्र में सड़क सहित उच्च गुणवत्ता की विभिन्न परियोजनाओं में करोड़ों-करोड़ों रुपये आवंटित कर रही है। ताकि आम लोगों की सड़क सहित अन्य परियोजनाओं के माध्यम से समस्याओं का समाधान हो सके। लेकिन श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा जिप के दुल्लभछड़ा बागान के नाचघर से लक्ष्मी नारायण मंदिर तक (SOPD ODS) MMIPNA के तहत वर्ष 2023-24 में इसके लिए 47.18 लाख रुपये आधार स्तंभ स्थापना के लिए उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन केवल मिट्टी और पत्थर काम खत्म करने के बाद ठेकेदार ने पूरा काम नहीं करके आज तक सड़क निर्माण का काम अधूरा छोड़ दिया है। इसके कारण यात्रियों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। गांव के विकास के नाम पर सड़क की स्थिति खराब है, लोगों को अत्यंत परेशानी का सामना करना पड़ता है, फिर भी केवल विकास का आश्वासन दिया जा रहा है। लेकिन इस सड़क के काम में केवल मिट्टी के ऊपर सीमेंटयुक्त पत्थर डाला गया था पिछले साल, लेकिन आज तक सीसी ब्लॉक नहीं लगाया गया है। सड़क का काम अब तक अधूरा है और गांव के लोगों के कई सवाल हैं कि यह सड़क कब पूरी होगी। कुछ ही दिनों में बरसात के मौसम में हमें चलने-फिरने में विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। गांव की इस कठिन स्थिति में ग्रामीणों को चलना पड़ता है। विभागीय अधिकारी इस विषय में चुप्पी साधे हुए हैं। अगर इस शीतकाल में यह सड़क नहीं बनी, तो आने वाले वर्षा ऋतु में स्थिति और खराब होगी। केवल इस सड़क पर ही वाहन चालक और रोजाना यात्रियों को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, जिस पर रोजाना आम लोग, स्कूल के छात्र और मरीज चलते हैं क्योंकि कोई वैकल्पिक सड़क नहीं है। इसके परिणामस्वरूप रोजाना इस खस्ता सड़क के कारण गांव के लोग विभिन्न तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता रहेगा। गांव के लोगों के आवागमन के लिए एकमात्र सड़क को गाइडलाइन के अनुसार आगामी मानसून के मौसम से पहले मरम्मत कराने के लिए इस मामले में सही जांच के माध्यम से निश्चित प्रबंध के लिए लोकप्रिय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और स्थानीय विधायक विजय मालाकार का ध्यान आकर्षित किया गया। ताकि जल्द से जल्द समस्या का समाधान हो सके जनहित में।

नो मैपिंग मतदाताओं की नोटिस के बाद की सुनवाई

हमीरपुर :- सरीला तहसील में विशेष गहन पुनरीक्षण अन्तर्गत नो मैपिंग मतदाता को नोटिस निर्गत होने पर सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार सरीला राम मोहन द्वारा आज बुधवार दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक सुनवाई की तहसीलदार कक्ष मे धौहलबुजर्ग के 15 मतदाता सुनवाई हेतु उपस्थित हुये 12 मतदाता 2003 की मतदाता सूची व साक्ष्य सहित उपस्थित हुये 3 मतदाता साक्ष्य प्रस्तुत नही कर सके जिनको पुनः सुनवाई हेतु अवसर दिया गया है सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि तहसील सरीला मे विशेष गहन पुनरीक्षण के अन्तर्गत नो मैपिंग मे मार्क किये गये 10878 मतदाता को नोटिस 10 अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा बीएलओ के माध्यम से प्राप्त करायी जा रही है जिसमे मतदाता को नियत तिथि पर सुनवाई हेतु उपस्थित होना है सुनवाई दौरान रघुकुल द्विवेदी आर के निर्वाचन मौजूद रहे।

D-JAYS के द्वारा मदनगीर,दक्षिण दिल्ली में सरकारी योजनाओं पर जागरूकता शिविर का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मदनगीर क्षेत्र में कल्याण स्वयं सहायता समूह (Kalyan SHG) के सहयोग से सरकारी योजनाओं पर जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर सिटी मिशन मैनेजर,दक्षिण दिल्ली सुश्री रुक्मणि के विशेष प्रयासों से आयोजित किया गया।शिविर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से एलडीएम आकांशा रस्तोगी एवं सतपाल जी, भारतीय डाक विभाग (पुष्प विहार) से अभिषेक मीणा,इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक से अभिनव चौधरी,श्रम विभाग से अजय कुमार तथा FMC से वीणा जी एवं शेखर जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर के दौरान भारतीय डाक विभाग द्वारा मौके पर ही पोस्ट ऑफिस बचत खाते खोले गए,साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना सहित विभिन्न बैंकिंग,बीमा एवं पेंशन योजनाओं की जानकारी दी गई।इसके अतिरिक्त, साइबर अपराध से बचाव एवं डिजिटल सुरक्षा पर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।नागरिकों एवं सात्र सदस्यों के डिजी लॉकर (DigiLocker) खाते भी मौके पर ही खुलवाए गए तथा इसकी उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी गई।इस अवसर पर सिटी मिशन मैनेजर, सुश्री रुक्मणि ने बताया कि आगामी 22 जनवरी को मदनगीर क्षेत्र में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना से जोड़ने हेतु विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा,साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि दीनदयाल जन आजीविका योजना - शहरी (D-JAYS) के अंतर्गत शहरी गरीब नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं,ताकि उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा सके। इस जागरूकता शिविर का मुख्य उद्देश्य समुदाय को सरकारी योजनाओं से जोड़ना,वित्तीय एवं डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देना तथा शहरी गरीबों को आत्मनिर्भर बनाना रहा। कार्यक्रम में सात्र सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई।

सुरेश कुमार त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का दूसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित किए गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 21 जनवरी 2026 सुरेश कुमार त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का दूसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित किए जाने पर आज जिला संगठन लखनऊ द्वारा जय नारायण इंटर कॉलेज के सभागार जनपदीय पदाधिकारियों द्वारा बुके और फूल मालाओं से स्वागत किया गया तथा प्रादेशिक उपाध्यक्ष डॉ0 आर0पी0 मिश्र, महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा, प्रदेशीय मंत्री डॉ आर के त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा एवं जिला मंत्री महेश चंद्र द्वारा अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेट कर सम्मानित किया गया। इसी के साथ संरक्षक रामेश्वर उपाध्याय सदस्य राज्य कार्यकारिणी अमीर अहमद डॉ0 मीता श्रीवास्तव एवं दीन मोहम्मद रिजवी ने अध्यक्ष को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। सभागार में शिक्षकों को संबोधित करते हुए सुरेश कुमार त्रिपाठी ने आश्वस्त किया कि शिक्षकों की समस्याओं को लेकर अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा से वार्ता हो चुकी है जिनमें ग्रेच्युटी की सीमा राज्य कर्मचारियों की भांति 25 लाख किए जाने, धारा 21 की अधिनियमिक व्यवस्था बनाए जाने तथा अन्य मांगों पर वार्ता हुई है। जिनका प्रमुख सचिव द्वारा निस्तारित किए जाने का आश्वासन दिया है। दूसरी बार निर्वाचित अध्यक्ष त्रिपाठी ने शिक्षक समुदाय को आश्वस्त किया कि भविष्य में शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए लगातार प्रयास करेंगे और आवश्यक हुआ तो संघर्ष भी किया जाएगा। प्रदेशीय उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डॉ0 आर0पी0 मिश्र ने अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी का स्वागत करते हुए कहा कि उनके पिछले कार्यकाल में शिक्षक हितों में किए गए कार्यों, संघर्षों आदि के लिए ही प्रदेश के शिक्षक समुदाय ने मथुरा सम्मेलन में सर्वसम्मति से उन्हें दूसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित किए जाने का निर्णय लिया है और विश्वास है कि भविष्य में भी अध्यक्ष त्रिपाठी शिक्षक हितों के लिए संघर्ष करतेरहेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत में जनपदीय संयुक्त मंत्री पुष्पेंद्र कुमार द्वारा सरस्वती वंदना तथा गांधी विद्यालय की शिक्षिका अनीता द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिलामंत्री महेश चंद्र द्वारा तथा जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। स्वागत एवं सम्मान समारोह में अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी के अलावा प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डॉ0 आर0पी0 मिश्र, महामंत्री नरेंद्र कुमार वर्मा, प्रदेशीय मंत्री डॉ0 आर0के0 त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, जिलामंत्री महेश चंद्र, संरक्षक रामेश्वर उपाध्याय, सदस्य राज्य कार्यकारिणी अमीर अहमद, डॉ0 मीता श्रीवास्तव, दीन मोहम्मद रिजवी, मंडलीय अध्यक्ष तुलसीराम मिश्र, सदस्य राज्य परिषद अनुराग मिश्र, सुमन लता, विश्वजीत, डा0 प्रमोद कुमार पंत, संयोजक संरक्षण समिति चन्द्र प्रकाश शुक्ल, संघर्ष समिति इनायतुल्लाह खां, समन्वय समिति चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, शिक्षक प्राचार्य समन्वय समिति अनिल कुमार वर्मा के अलावा जनपदीय पदाधिकारियों के साथ सैकड़ो की संख्या में शिक्षक? एवं शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया।

भूमाफिया के हौसले बुलंद, तालाब की जमीन पर कर रहे अवैध कब्ज़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- मौजूदा सरकार जहां भूमाफिया के खिलाफ अभियान छेडे हुए है तो वहीं मौदहा कस्बा में भूमाफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि तालाब पर अतिक्रमण कर तालाब का अस्तित्व मिटा रहे हैं जिसके चलते रहमानिया कालेज की प्रधानाचार्या ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। कस्बा के रहमानिया कालेज की प्रधानाचार्या डा. रजिया सुल्ताना ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि, स्टेशन रोड पर कालेज का तालाब है जिसपर भूमाफिया समय समय पर अवैध कब्ज़ा कर निर्माण करते रहते हैं और शिकायत करने पर कुछ दिनों के लिए रुक जाते हैं।और कमलेश, चिल्लू, चुनईया आदि ने चोरी चोरी अवैध निर्माण कर लिया है।अभी जानकारी हुई थी कि, शिया नाम का व्यक्ति निर्माण कर रहा है जिसको मना करने के लिए कर्मचारियों को भेजा गया तो उक्त शिया गाली गलौज कर लडाई झगड़ा करने लगा।प्रधानाचार्या ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।वहीं इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि वह न्यायलय में हैं इसलिए वह अभी कुछ नहीं बता सकते हैं। बताते चलें कि जहां उच्चतम न्यायलय ने तालाबों में अतिक्रमण करने पर सख्त रोक लगा रखी है तो वहीं भूमाफिया तालाबों और ग्राम समाज की जमीन पर बेखौफ अतिक्रमण कर रहे हैं।

लीगल एड क्लीनिक से होगा आमजन के विधिक अधिकारों का संरक्षण

देवरिया। जनपद न्यायाधीश धनेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया द्वारा तहसील बरहज क्षेत्र की पांच ग्राम पंचायतों भदीला अव्वल, घेवड़ा, कोल्हुआ, लहछुआ एवं परसिया देवार में विधिक सहायता केन्द्र लीगल एड क्लीनिक का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनोज तिवारी तथा ग्राम न्यायालय बरहज के न्यायाधिकारी विकास वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार बरहज अरुण कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आमजन को उनके विधिक अधिकारों, महिलाओं, वृद्धजनों, विधवाओं व बच्चों से संबंधित कानूनों की जानकारी दी गई। सचिव ने बताया कि लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से ग्राम स्तर पर ही विवादों का समाधान संभव होगा। शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

नवनिर्मित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मिलने बिहार के पर्यटक मंत्री अरुण शंकर प्रसाद

नितिन नबीन भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्मित राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का प्रदभर ग्रहण करने के बाद दिल्ली से लेकर बिहार के भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष व्यक्त है इसी खुशी के मौके पर बिहार के कला संस्कृति मंत्री एवं युवा विभाग बिहार सरकार में मंत्री अरुण शंकर प्रसाद, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मोलकात कर शुभकामनाएं दी, मंत्री ने कहा कि अध्यक्ष पद के लिए इकलौता नामांकन आने पर वे निर्विरोध चुने गए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें माला पहनाकर एक जिम्मेदारी सौंपी, जिससे निभाना अक्षय जी का कर्तव्य बनता है।

भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन के कुशल नेतृत्व में पार्टी संगठन और मजबूत होगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ.के.लक्ष्मण के कुशल संचालन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन संपन्न हुआ।जिसमें डॉक्टर लक्ष्मण ने युवा भाजपा नेता नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किये जाने की घोषणा की।चुनाव अधिकारी डॉक्टर लक्ष्मण ने बताया कि 36 प्रदेशों में से 30 प्रदेशों के अध्यक्ष का निर्वाचन संपन्न होने के उपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराया गया।उन्होंने बताया कि 19 जनवरी को 2 से 4 बजे तक नामांकन प्रक्रिया का समय निर्धारित किया गया था।नितिन नबीन के पक्ष में 37 नामांकन पत्र सेट प्राप्त हुए जिनकी वैधता की जांच के दौरान सभी निर्धारित प्रारूप के तहत वैध पाए गए।पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के पूरा होने के बाद नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की घोषणा की गई। डॉ. के लक्ष्मण ने नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को शुभकामना देते हुए कहा कि एक युवा,योग्य,कर्मठ एवं अनुभवी राजनेता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कुशल नेतृत्व में संगठन और मजबूत होगी तथा पार्टी नई बुलंदियों को प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जहां परिवारवाद नहीं है। सभी को उसकी योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप समान अवसर प्राप्त होते हैं।

एंटी करप्शन टीम ने 10 हजार रिश्वत लेते पंचायत सचिव को पकड़ा रंगे हाथों

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- ग्राम प्रधान से ग्रामपंचायत काम के कमीशन के नाम पर रिश्वत मांगने वाले ग्राम पंचायत सचिव को एंटी करप्शन टीम ने बुधवार दोपहर रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद आरोपी सचिव को कस्बा मौदहा की कोतवाली लाया गया, जहां हाथ धुलवाने पर पानी का रंग गुलाबी हो गया, जिससे रिश्वत लेने की पुष्टि हुई। इसके बाद आवश्यक लिखापढ़ी पूरी कर एंटी करप्शन टीम आरोपी को अपने साथ लखनऊ ले गई। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम बदनपुर, विकासखंड सुमेरपुर के ग्राम प्रधान पति अजय साहू ने पंचायत सचिव शिवशंकर पाल द्वारा रिश्वत मांगे जाने की शिकायत एंटी करप्शन विभाग से की थी। शिकायत के अनुसार गांव में कराए गए सीसी रोड निर्माण कार्य के भुगतान के एवज में सचिव द्वारा पहले 30 प्रतिशत कमीशन की मांग की गई थी, जो बाद में 10 हजार रुपये पर तय हुई। प्रधान पति की शिकायत पर एंटी करप्शन टीम प्रभारी श्यामबाबू के नेतृत्व में टीम सुमेरपुर पहुंची और शिकायतकर्ता से संपर्क किया। योजना के तहत प्रधान पति को सचिव को फोन कर रुपये लेने के लिए बुलाने को कहा गया। तय योजना के अनुसार बुधवार को जैसे ही सचिव ने 10 हजार रुपये लिए, एंटी करप्शन टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी सचिव को सुमेरपुर से मौदहा कोतवाली लाया गया, जहां बंद कमरे में उससे पूछताछ की गई। सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद एंटी करप्शन टीम आरोपी को लखनऊ ले गई। उधर, पंचायत सचिव की गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही विकासखंड मौदहा के कई सचिव कोतवाली पहुंच गए और कार्रवाई को साजिश करार देते हुए आरोपी को फंसाए जाने का आरोप लगाया। वहीं, एंटी करप्शन विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है और भ्रष्टाचार के खिलाफ इसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है।

सडक हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

● दो सप्ताह पहले हुआ था हादसा, लखनऊ में ली आखिरी सांस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- सुमेरपुर क्षेत्र में बीती 6 जनवरी को बैंक से वापस लौटते समय मुंडेरा के पास स्कूली वाहन की टक्कर से घायल हुए बाइक सवार युवक की मंगलवार को लखनऊ के केएमजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया। कैथी के ग्राम प्रधान अरिमर्दन सिंह ने बताया कि गांव निवासी अरविंद कुशवाहा 34 वर्ष गत 6 जनवरी को इंडियन बैंक मुंडेरा बाइक से गया था। बैंक का कार्य निपटाने के बाद यह बाइक से घर लौट रहा था। मुंडेरा गांव के समीप तेज रफ्तार स्कूल वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी थी। इससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। प्राथमिक उपचार के बाद इसको सदर अस्पताल भेजा गया था। हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल से हैलट रेफर हुआ था। हालत नाजुक होने पर हैलट से इसको केएमजी लखनऊ रेफर किया गया था। मंगलवार की शाम इसकी लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद बुधवार को शव गांव लाया गया। शव के गांव आते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पत्नी मंजू, पुत्र दीपक 8 वर्ष, चिंटू 5 वर्ष को रोता बिलखता छोड़ गया है। परिजनों ने स्कूल वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

अज्ञात वाहन ने आटो को मारी टक्कर, तीन गंभीर रूप से घायल

हमीरपुर :-नेशनल हाईवे 34में सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं बदस्तूर जारी हैं।लगभग रोजाना होती सड़क दुर्घटनाओं में बुधवार के दिन इस हाईवे पर मंकरांव के पास एक वाहन ने आटो में टक्कर मार दी जिसमे तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमे से एक को हालत सदर अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। कोतवाली क्षेत्र से निकलने वाले नेशनल हाईवे 34पर मंकरांव के निकट एक अज्ञात वाहन ने आटो में टक्कर मार दी जिसमें बिंवार थाना क्षेत्र के छानी निवासी शिवदत्त (32)पुत्र रामगोपाल,सुमेरपुर के बाकी निवासी बबलू (32)पुत्र केदारनाथ और कस्बे के अरतरा तिराहा निवासी यशोदा (30)पत्नी उदयभान गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हे इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां से शिवदत्त को गंभीर चोंटों के चलते प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। फिलहाल घायलों को गंभीर चोंटें बताई जा रही हैं।

हिंदू युवा वाहिनी का पुनर्गठन: सिद्धार्थ शंकर बाजपेयी बने सीतापुर के जिला अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर हिंदू युवा वाहिनी के शीर्ष नेतृत्व ने संगठन की सक्रियता और विस्तार को नई धार देते हुए जनपद सीतापुर की कमान सिद्धार्थ शंकर बाजपेयी को सौंपी है। उन्हें सीतापुर का नया जिला अध्यक्ष (अस्थायी) मनोनीत किया गया है।

2022 के बाद नए सिरे से पुनर्गठन:

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में हिंदू युवा वाहिनी के संपूर्ण संगठन को भंग कर दिया गया था। लंबे अंतराल के बाद अब संगठन का नए सिरे से पुनर्गठन किया जा रहा है। इसी क्रम में, प्रदेश प्रभारी (उत्तर प्रदेश) श्री ब्रजनंदन सिंह जी के निर्देशानुसार सीतापुर में सिद्धार्थ शंकर बाजपेयी की नियुक्ति की गई है। इस घोषणा से जिले के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

शीर्ष नेतृत्व का मिला आशीर्वाद:

सिद्धार्थ शंकर के मनोनयन पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रम सिंह राठौड जी समेत पूज्य संरक्षकों–अध्यक्ष अखाड़ा परिषद महंत रवींद्र पुरी जी महाराज, स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज, एवं स्वामी अरुण गिरी जी महाराज ने अपना शुभाशीष प्रदान किया है।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का संकल्प:

अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए सिद्धार्थ शंकर बाजपेयी ने कहा:

'2022 में संगठन भंग होने के बाद अब पुनर्गठन की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए मैं शीर्ष नेतृत्व का आभारी हूँ। मेरा प्राथमिक लक्ष्य जनपद में संगठन की मूल विचारधारा को पुनर्जीवित करना, हिंदू समाज को एकजुट व सशक्त बनाना और व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाकर युवाओं को जोड़ना है।' संगठन के नियमानुसार, यह मनोनयन 14 फरवरी 2026 तक के कार्यों की समीक्षा के आधार पर स्थायी किया जाएगा। उनकी इस नियुक्ति पर स्थानीय हिंदू समाज और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

कक्षा 6 से 11 तक के गरीब परिवार के बच्चों को आवासीय शिक्षा के लिए प्रवेश प्रारम्भ

हमीरपुर :- गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले कक्षा 6से कक्षा 11 तक के छात्रों को निशुल्क शिक्षा प्रदान कराने के लिए समाज कल्याण विभाग की ओर से इस वर्ष भी आवासीय शिक्षा हेतु प्रवेश दिलाने के लिए सीटें आरक्षित की गई हैं , जिसमे छात्रों को शिक्षा के साथ विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय दरियापुर के प्रधानाचार्य कैलाश कुमार ने बताया कि विद्यालय में शैक्षिक वर्ष 2026-27 में कक्षा 6,7, 8 एवं 9 में कुल 105 रिक्त स्थानों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा दिनांक 15-03-2026 को सम्पादित होगी। जनपद में गरीबी रेखा से नीचे निवास करने वाले ऐसे अभिभावक जो छात्रों को राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय दरियापुर में प्रवेश दिलाना चाहते है, तो किसी भी कार्य दिवस में विकास भवन स्थित कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी,विद्यालय एवं सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क स्थापित कर प्रवेश फार्म प्राप्त कर औपचारिकतायें पूर्ण कराकर 20-02-2026 तक राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय दरियापुर में जमा करना सुनिश्चित करें अथवा प्रवेश परीक्षा फार्म को आनलॉईन आवेदन करने के लिए दिनांक 20-02-2026 तक लिंक httpsÑ// ats.upsdc.gov.in का उपयोग करें।वहीं उन्होंने बताया कि कक्षा 11(मानविकी/ विज्ञान वर्ग) में कुल 70 रिक्त सीटों पर कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा के प्राप्त अंको में मेरिट के आधार पर ही प्रवेश दिया जाएगा। विद्यालय में शिक्षा, पाठ्य सामग्री, दैनिक उपयोग की सामग्री, आवास, भोजन, चिकित्सा आदि की व्यवस्था निःशुल्क है। विलम्ब से दिया गया आवेदन पत्र स्वीकार नही होगा।

सभासद संघ का समरसता तहरी भोज 23 को

सीतापुर। बसंत पंचमी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस के मौके पर सभासद संघ सीतापुर के तत्वावधान में शुक्रवार 23 जनवरी को हरदोई चुंगी के निकट श्याम गेस्ट हाउस में सुबह 11 बजे से समरसता तहरी भोज का आयोजन किया गया है। इस आशय की जानकारी देते हुए सभासद संघ सीतापुर के सभासद राकेश गुप्ता पिंकू ने बताया कि इस मौके पर स्वाधीनता संग्राम सेनानियों के परिजन के साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों के प्रबुद्धजन, समाज के उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु, कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही विशेष रूप से शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य कई विधायक, पालिकाध्यक्ष आदि भी मौजूद रहेंगे।